सुविचार

जीवन में खुश रहना है तो दूसरों से तुलना करना छोड़कर खुद को बेहतर बनाइए।

प्रथम न्यूज़

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

ढोल की थाप पर नाचे कोहली और क्रुणाल, चैंपियन बनने के बाद जमकर मना जश्न ...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 151 | दिनांक : मंगलवार, 02 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

सुप्रीम कोर्ट को मिले 5 नए जज, राष्ट्रपति ने नियुक्ति पर लगाई मुहर

वरिष्ठ वकील वी मोहना भी बनी न्यायाधीश

नई दिल्ली (ब्यूरो)- सुप्रीम कोर्ट जस्टिस शील नागू, जस्टिस श्री चंद्रशेखर, जस्टिस संजीव सचदेवा, जस्टिस अरुण पल्ली और वी मोहना वरिष्ठ वकील के रूप में पांच नए जज मिल गए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांचों जजों की नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 22 और 27 मई, 2026 को हुई बैठकों में देश की सर्वोच्च अदालत में 5 नए जजों को नियुक्त करने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी थी, जिन्हें अब राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया है। इनमें जस्टिस शील नागू (चीफ जस्टिस, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट), जस्टिस श्री चंद्रशेखर (चीफ जस्टिस, बॉम्बे हाई कोर्ट), जस्टिस संजीव सचदेवा (चीफ जस्टिस, मध्यप्रदेश हाई कोर्ट), जस्टिस अरुण पल्ली (चीफ जस्टिस, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट), वी मोहना (वरिष्ठ वकील, सुप्रीम कोर्ट) शामिल है।

कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा, जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली तथा वरिष्ठ अधिवक्ता मोहना को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की अनुशंसा की है।

राज्यसभा की 27 और विधान परिषद की 17 सीटों के लिए 18 जून को होंगे चुनाव

नई दिल्ली (ब्यूरो)- चुनाव आयोग ने 27 राज्यसभा सीटों और 17 विधान परिषद की सीटों पर चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। आज से ही नामांकन 11 बजे से शुरू हो गए हैं और नामांकन की आखिरी तारीख 8 जून को 3 बजे रतक खी गई है। नामांकन की स्क्रूटनी 9 जून को होगी। नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 11 जून होगी। सभी जगह चुनाव 18 जून को शाम 4 बजे तक होंगे और उसी दिन मतगणना भी होगी।

दस राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के द्विवार्षिक चुनाव होने हैं। वहीं महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में एक-एक राज्यसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी की गई है।

इस तरह से 27 राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। वहीं बिहार के 9 विधान परिषद सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे और 1 सीट विधान परिषद सीट पर उपचुनाव होगा। साथ ही कर्नाटक की 7 विधान परिषद सीटों पर भी द्विवार्षिक चुनाव कराने के लिए ये अधिसूचना जारी की गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग को देंगे नई रफ्तार

समुद्री सुरक्षा से लेकर नई तकनीक पर बढ़ेगा साथ

नई दिल्ली (ब्यूरो)- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने का फैसला किया है। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग और नई सैन्य तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। यह फैसला आज मानेकशॉ सेंटर में हुई भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्रियों की वार्ता में लिया गया। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मॉल्स ने की। दोनों नेताओं ने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचा है। उन्होंने इस साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक में हिंद महासागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों देशों ने समुद्र में निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया एक संयुक्त समुद्री सुरक्षा रोडमैप तैयार कर रहे हैं।

इससे दोनों देशों की नौसेनाओं और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनेगा। दोनों पक्षों ने समुद्री गश्ती विमानों के जरिए निगरानी बढ़ाने पर भी सहमति जताई। समुद्र के भीतर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नई व्यवस्थाओं पर काम करने की बात भी कही गई। भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा सुरक्षा एजेंसी के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 5 लाख करोड़ के निवेश का रखा लक्ष्य

मेक इन हरियाणा पॉलिसी लॉन्च

- पहले ही दिन 1 लाख 10 हजार करोड़ के हुए एमओयू
- 9 नई सेक्टोरल पॉलिसी, एक स्मार्ट निवेश सुविधा पोर्टल को भी मुख्यमंत्री सैनी ने किया लॉन्च
- मुख्यमंत्री बोले, इन्वेस्टिंग इन हरियाणा का मतलब है इन्वेस्टिंग इन फ्यूचर

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

01 जून (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को गुरुग्राम में मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी को लॉन्च किया। प्रदेश में 5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य लेकर लॉन्च की गई इस पॉलिसी के पहले ही दिन 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के एमओयू हुए। इसके साथ-साथ उन्होंने 9 नई सेक्टोरल पॉलिसी, एक स्मार्ट निवेश सुविधा पोर्टल को भी लॉन्च किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लोगो का भी अनावरण किया। इस दौरान संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस नई पॉलिसी से उद्योग और सशक्त होंगे। निवेश प्रक्रिया सरल होगी और विकास के अवसर और अधिक व्यापक होंगे। इससे प्रदेश को एक नई दशा और दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज दुनिया के निवेश करने का तरीका बदल रहा है। आज उद्योग केवल इंसेंटिव ही नहीं देखते।

वे इकोसिस्टम भी देखते हैं। वे पूछते हैं कि कौन सा राज्य तेजी से निर्णय ले सकता है? कौन सा राज्य भरोसा दे सकता है? कौनङ्गसा राज्य लंबे समय तक ग्रोथ पार्टनर बन सकता है? यही वह क्षेत्र है, जहां हरियाणा नेतृत्व करने जा रहा है। मेक इन हरियाणा केवल एक इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं है। यह हरियाणा के आर्थिक विकास के अगले चरण का रोडमैप है। ऐसा रोडमैप जो, कॉम्पिटिटिवनेस, इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, एक्सपोर्टस, रोजगार और फ्यूचर-रेडी मैन्युफैक्चरिंग पर आधारित है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निवेशकों से आह्वान किया कि हरियाणा में निवेश कीजिए। हरियाणा के साथ बढ़िए और अपने भविष्य का निर्माण कीजिए।

उन्होंने कहा कि इन्वेस्टिंग इन हरियाणा का मतलब इन्वेस्टिंग इन फ्यूचर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्द ही हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जाएगा।

हरियाणा देश की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश की सबसे मजबूत औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश के केवल 1.3 प्रतिशत भूङ्कभाग के बावजूद हरियाणा भारत की जीडीपी में लगभग 3.6 प्रतिशत योगदान देता है। एक्सप्रेसवेज, फ्रेट कॉरिडोर्स, रेल कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स हब्स और एनसीआर तक सीधी पहुंच ने हरियाणा को भारत के सबसे रणनीतिक इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन्स में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि आज ग्लोबल कंपनियां हरियाणा को मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के साथ ग्रोथ डेस्टिनेशन के रूप में भी देख रही हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम तैयार

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की सबसे बड़ी ताकत हमेशा इसके लोग रहे हैं। हमारे किसान, उद्यमी, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, इंडस्ट्रियल वर्कर्स और इंडस्ट्री लीडर्स, इन सभी ने मिलकर हरियाणा की ग्रोथ स्टोरी लिखी है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसी स्पीड, ट्रस्ट और कमिटमेंट के साथ विकास के अगले चरण का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य उन्हीं राज्यों का होगा, जो तेजी से निर्णय लेंगे, जो स्मार्ट गवर्नेंस देंगे और जो इंडस्ट्री के साथ मजबूत पार्टनरशिप बनाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हरियाणा इस भविष्य का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सभी इन्वेस्टर, इनोवेटर्स और ग्लोबल पार्टनर्स को हरियाणा की इस नई ग्रोथ स्टोरी का भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया।

इन कंपनियों ने किया एमओयू

एनटीएफ ग्रुप, औमोवियो, प्रोटेरियल, नेशनल आस्ट्रेलियन बैंक ग्लोबल इनोवेशन सेंटर, सुमितोमो कॉर्पोरेशन इंडिया, रिलायंस एमईटीएल, स्टार वायर, सात्विक ग्रप, ईंडिया सेल एलायंस, गौतम सोलर, वीनस रेमेडिस, वरूण बेवरेजिस, होरिजोन इंडस्ट्रिएल, अनंत राज, वैलसपम वन, स्टार सीमेंट, जीएलएस ग्रुप, एसएमटीए, करनाल फॉर्मा पार्क, यूनिवर्सल सक्सेस एनटरप्राइजेस, रैकबैंक, अंबर ग्रुप। इस मौके पर गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, नलवा विधायक रणधीर सिंह पनिहार मौजूद रहे।

इंडस्ट्री को हरियाणा पर भरोसा

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जो इन्वेस्टमेंट प्रपोजल्स साइन हुए हैं, वे एक बहुत मजबूत संदेश देते हैं। इंडस्ट्री को हरियाणा पर भरोसा है। ये इन्वेस्टमेंट केवल एक आंकड़ा नहीं हैं। ये नए उद्योग हैं। नई सप्लाई चेन हैं। एमएसएमई के लिए नए अवसर हैं। युवाओं के लिए नए रोजगार हैं। और हरियाणा की अर्थव्यवस्था के लिए नई ऊर्जा हैं। उन्होंने उन सभी इन्वेस्टर्स और इंडस्ट्री लीडर्स का धन्यवाद किया जिन्होंने हरियाणा को अपना ग्रोथ पार्टनर चुना है।

राज्यपाल ने किया स्व-गणना के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ

हिमाचल में 1 जून से 15 जून तक चलाया जाएगा प्रथम चरण, प्राथमिकता के आधार पर करें स्व-गणना का कार्य : कविंद्र गुप्ता

» प्रथम न्यूज । शिमला

01 जून (बी. शर्मा)

राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए आज लोकभवन से स्व-गणना के महत्वपूर्ण कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया। यह अभियान 1 जून से 15 जून, 2026 तक पूरे राज्य में चलाया जाएगा। इस राज्यव्यापी अभियान की शुरुआत करते हुए राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता जी ने अपनी स्व-गणना पूर्ण की।

इस अवसर पर, जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश की निदेशक श्रीमती दीप शिखा शर्मा सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने राज्यपाल को इस डिजिटल प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया।

स्व-गणना पोर्टल (म.बमदेने.हवअ.पद) पर अपनी स्व-गणना पूरी करने के उपरांत, माननीय राज्यपाल महोदय ने प्रदेशवासियों के नाम संदेश जारी करते हुए जनगणना के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल नागरिक आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह राज्य के भावी विकास और लोक-कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण की नींव है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का हर नागरिक इस राष्ट्रीय कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने प्रदेश की समस्त जनता से अपील की है कि वे 1 जून से 15 जून के मध्य स्वयं आगे आकर अपनी स्व-गणना की प्रक्रिया को उत्साहपूर्वक पूरा करें। श्री कविंद्र गुप्ता ने नागरिकों से विशेष अनुरोध किया गया है कि स्व-गणना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी होने के बाद पोर्टल द्वारा प्राप्त होने वाली "स्व-गणना आईडी" को सुरक्षित रखें। इसके पश्चात, आगामी 16 जून से 15 जुलाई, 2026 के मध्य जब प्रगणक लोगों के घर का दौरा करेंगे, तब उन्हें यह स्व-गणना आईडी अवश्य प्रदान करें, ताकि आपकी जनगणना का कार्य सुगमता से संपन्न हो सके। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस डिजिटल पहल को सफल बनाने और हिमाचल प्रदेश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देने का आह्वान किया है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे स्व-गणना में सही जानकारी उपलब्ध करवाएं और जो कोड जनरेट होगा उससे सम्पूर्ण जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की अनेक ऐसी योजनाएं हैं जो सीधे तौर पर लोगों से जुड़ी हैं और अगर लोग सही जानकारी देंगे तो भविष्य में हम उससे अपनी भागीदारी भी सुनिश्चित कर सकेंगे तथा उन योजनाओं का सही लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। इसलिए, स्व-गणना का कार्य प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के बाद जो कार्य लंबित पड़े थे, उनका लाभ भी इस जनगणना से मिल सकेगा और सही आंकड़े भी प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तराखण्ड राज्यों में अधिकांश क्षेत्र स्नो-बाउंड है, इसलिए यहां इस कार्य को प्राथमिकता दी गई है।

भारत-म्यांमार में सिक्योरिटी, ट्रेड और कनेक्टिविटी पर गहरे हुए संबंध

म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग और पीएम मोदी की बैठक मनी जा रही सफल

नई दिल्ली (एएम नाथ)- भारत और म्यांमार ने सोमवार को सिक्योरिटी, ट्रेड और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग से बातचीत की और उसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। यह बयान म्यांमार के लंबे समय से चल रहे राजनीतिक संकट के बावजूद पूर्वी पड़ोसी देश के साथ नई दिल्ली की निरंतर भागीदारी का संकेत देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद एक्स पर पोस्ट कर संबंधों की गर्माहट को बताया है। राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की भारत की यह पहली आधिकारिक यात्रा थी। इसमें संपर्क परियोजनाओं, रक्षा संबंधों, सीमा प्रबंधन और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने म्यांमार को भारत की विदेश नीति संरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

पीएम मोदी ने म्यांमार को भारत की तीन प्रमुख विदेश नीति सिद्धांतों - पड़ोसी पहले, एक्ट ईस्ट और हाल ही में घोषित महासागर (क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र विकास) ढांचे के केंद्र में स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने म्यांमार के क्षेत्रीय लक्ष्यों के लिए म्यांमार के साथ स्थिर संबंधों को जरूरी बताया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने म्यांमार के राष्ट्रपति से अलग-अलग मुलाकात की, जो भारत की भागीदारी और इस समय म्यांमार के साथ संबंधों को दी जाने वाली अहमियत को दर्शाता है।

कैबिनेट बैठक: मंत्रिमंडल ने चुनाव विभाग के सेवा नियमों में संशोधन को दी हरी झंडी

अब 12 साल में चुनाव कानूनगो से बनेंगे तहसीलदार, खाली पद भरेंगे

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

01 जून (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जिसमें अहम फैसले लिए गए। बैठक में आगामी पंजाब विधानसभा मद्देनजर प्रदेश की चुनाव मशीनरी को मजबूत करने के लिए चुनाव विभाग के सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से लंबे समय से लटक रही प्रशासनिक बाधाएं दूर होंगी, मतदाता सूच्चियों के विशेष पुनरीक्षण (एस. आई. आर.) को सुचारू और निर्बाध तरीके से संपन्न कराने में मदद मिलेगी और चुनावों से संबंधित कार्यों के लिए आवश्यक स्टाफ सुनिश्चित करने हेतु खाली पड़े महत्वपूर्ण पदों को भरने का रास्ता साफ होगा। मंत्रिमंडल ने जल संसाधन विभाग की वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट को भी स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि मंत्रिमंडल ने चुनाव कानूनगो के पद से चुनाव तहसीलदार के रूप में पदोचति के लिए आवश्यक अनुभव को 15 वर्ष से घटाकर 12 वर्ष करने हेतु चुनाव विभाग के सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। यह संशोधन विभाग में चुनाव तहसीलदार के 7 रिक्त पदों के कारण अनिवार्य हो गया था। मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष पुनरीक्षण और आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चुनावों से संबंधित कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए चुनाव तहसीलदारों को सेवाओं की तत्काल आवश्यकता है।

जल संसाधन विभाग की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट को मंजूरी

इस दौरान मंत्रिमंडल ने वर्ष 2025-26 के लिए जल संसाधन विभाग की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट को भी स्वीकृति दे दी है। इस रिपोर्ट की स्वीकृति से वित्तीय वर्ष के दौरान विभाग के प्रशासनिक कार्यों और उपलब्धियों के दस्तावेजीकरण और समीक्षा करने में मदद मिलेगी।

मौजूदा नियमों में होती थी 15 वर्षों के अनुभव की जरुरत

मौजूदा नियमों के तहत 15 वर्षों के अनुभव की आवश्यकता होती है और इस समय सेवा कर रहे चुनाव कानूनगों में से कोई भी पदोन्नति के लिए योग्य नहीं है। विभाग ने आवश्यक अनुभव को पटाकर 12 वर्ष करने का प्रस्ताव रखा था ताकि योग्य चुनाव कानूनगों को आने वाले समय में पदोषत किया जा सके और चुनाव मशीनरी को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को भरा जा सके।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

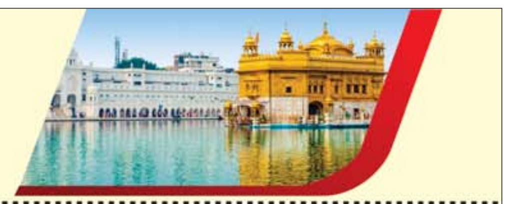

संक्षिप्त न्यूज

विधायक कटारिया ने पंचायतों को 57 लाख रुपए के चेक वितरित किए

जीरा, 1 जून (अंग्रेज बराड़) – जीरा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के विधायक श्री नरेश कटारिया ने निर्वाचन क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों को 57 लाख रुपये के चेक वितरित किए! इस अवसर पर विधायक श्री नरेश कटारिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि विधायक बनने के बाद से ही वे जीरा निर्वाचन क्षेत्र के गांवों और कस्बों का विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब गांवों के विकास के लिए सरपंचों को 57 लाख रुपये दिए जा रहे हैं और आने वाले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री माननीय सरदार भगवंत सिंह मान उन्हें करोड़ों रुपये दे रहे हैं, जिससे वे अन्य पंचायतों को भी विकास कार्यों के लिए चेक वितरित करेंगे! इस अवसर पर ओएसडी विधायक श्री मेजर सिंह भुल्लर, सरपंच गुरप्रीत सिंह बराड़ महियांवाला कलां, भगत बाबा दुनी चंद समाधि कमेटी महियांवाला के अध्यक्ष श्री निर्मल सिंह बराड़, सरपंच कस्सोआना, कुलवंत सिंह गिल सरपंच कस्सोआना, पूर्व सरपंच श्री सुरजीत सिंह गिल, तीरथ सिंह बराड़ सरपंच फेरोके, श्री सुखदेव सिंह संधू सरपंच मानकियांवाली, श्री सरबजीत सिंह गिल सरपंच गादरी वाला, सुखचैन सिंह सरपंच वकीलियां वाला आदि उपस्थित थे। बड़ी संख्या में क्षेत्र के सरपंच पंच।

खालसा कॉलेज माहिलपुर में एम.कॉम का परिणाम शानदार

होशियारपुर /माहिलपुर(तरसेम दीवाना)– पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ द्वारा घोषित नतीजों में इलाके के श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर में चल रहे कोर्स एम.कॉम का परिणाम शानदार रहा है। इस बारे में बात करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. परविंदर सिंह और कॉमर्स विभाग के प्रमुख डॉ. बिमला जसवाल ने बताया कि एम.कॉम भाग पहला के परिणाम में छात्रा अलका ने 82 फीसदी अंक प्राप्त करके पहला, साक्षी ने 80.8 फीसदी अंकों से दूसरा और मनसुमीत कौर ने 80.7 फीसदी अंकों से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इसी तरह एम.कॉम भाग दूसरा की छात्रा प्रियंका जुनेजा ने 81.8 फीसदी अंकों से पहला, छात्रा जसमीन कुमारी ने 78.7 फीसदी अंकों से दूसरा और बलजिंदर कौर ने 78.5 फीसदी अंकों से तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रिंसिपल सहित कॉमर्स विभाग के समस्त अध्यापकों ने इन छात्राओं को अच्छे परिणाम के लिए बधाई दी और सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पीएसपीसी की त्रैमासिक राज्य स्तरीय बैठक 12 जून को पेंशनभोगी भवन, लुधियाना में आयोजित होगी

फागवाड़ा 01 जून (कुलदीप सिंह) – पंजाब राज्य पेंशनभोगी परिसंघ (पंजीकृत) की प्रांतीय त्रैमासिक बैठक 12/06/2026 को पेंशनभोगी भवन लुधियाना में आयोजित की जा रही है। इस त्रैमासिक प्रांतीय बैठक के संबंध में, अध्यक्ष करम सिंह धनोआ और महासचिव कुलवरन सिंह ने पंजाब राज्य पेंशनभोगी परिसंघ (पंजीकृत) के पत्र संख्या–PSPC/25-27/182-207 दिनांक–27/05/2026 के अनुसार सभी जिला अध्यक्षों/महासचिवों और उप-इकाई अध्यक्षों/महासचिवों को समय पर बैठक में पहुंचने, निर्धारित एजेंडा पर चर्चा में भाग लेने और बैठक को सफल बनाने के लिए संदेश जारी किया है।

बैठक के एजेंडे की जानकारी देते हुए सहायक राज्य प्रेस सचिव कुलदीप सिंह कौरा ने बताया कि 12 जून को होने वाली तिमाही राज्य बैठक में दिवंगत पेंशनभोगी साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी, पिछली तिमाही में हुए आंदोलनों में भागीदारी की समीक्षा की जाएगी, अप्रैल 2026 की पेंशन के वितरण में देरी और अन्य कठिनाइयों के संबंध में पेंशन वितरण एवं लेखा निदेशक के साथ हुई बैठकों की रिपोर्ट दी जाएगी, चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनभोगी संघ की बैठक की रिपोर्ट दी जाएगी, पिछले साढ़े चार वर्षों से कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की मांगों के प्रति पंजाब सरकार की चुप्पी का गंभीर संज्ञान लिया जाएगा और चर्चा के बाद अगले आंदोलनों को पूरी लगन से चलाने के प्रयास तेज किए जाएंगे। संयुक्त सरकारी पेंशनभोगी मोर्चा पंजाब सभी जिलों और उप-इकाइयों के नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपकर सम्मेलन में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील करेगा ताकि 17 जून को जालंधर में होने वाला राज्य सम्मेलन सफल हो सके। प्रेस को सूचित करते हुए बताया गया कि चंडीगढ़ के कोषागार एवं लेखा निदेशक द्वारा जारी पत्र के अनुसार, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए 10 जून को मोगा और होशियारपुर जिलों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संबंधित जिलों के पेंशनभोगी पेंशन संबंधी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इस शिविर में भाग ले सकते हैं।

भगवंत मान सरकार ने निकाला पराली समस्या का समाधान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

01 जून (एएम नाथ)

पंजाब में औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) का एक बड़ा निवेश राज्य में सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब तेजी से उत्तर भारत के सबसे पसंदीदा निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियों, मजबूत बुनियादी ढांचे और पारदर्शी शासन प्रणाली के कारण देश-विदेश की बड़ी कंपनियां पंजाब का रुख कर रही हैं। इसी कड़ी में चंडीगढ़ में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दिग्गज ऊर्जा कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) का एक बड़ा निवेश राज्य के लिए सुरक्षित किया है।

एचपीसीएल रिफाइनरी, बायोफ्यूल और बायोगैस जैसे भविष्य के प्रमुख क्षेत्रों में निवेश करके पंजाब में अपना दायरा बढ़ाने जा रही है।

एचपीसीएल के चेयरमैन विकास कौशल और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने पंजाब के प्रशासनिक और नियामक सुधारों को साझा किया। उन्होंने बताया कि राज्य में फास्ट ट्रैक पंजाब सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए 173 से अधिक सरकारी व्यापार (GwB) सेवाएं ऑनलाइन दी जा रही हैं। इसके अलावा, ऑटो डीम्ड मंजूरी और पंजाब राइट टू बिजनेस एक्ट में किए गए संशोधनों ने कागजी बाधाओं को खत्म कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का विजन बिल्कुल स्पष्ट है कि हम नीतियों में स्थिरता और फैसलों में तेजी ला कर निवेशकों के समय और भरोसे का सम्मान करते हैं। पुरानी सरकारों के कामकाज के तरीके पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि एक दौर वह भी था जब पंजाब में निवेश करने वाले कारोबारियों को अनावश्यक अड़चनों, लालफीताशाही और अवैध मांगों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज माहौल पूरी तरह बदल चुका है। वर्तमान सरकार सिर्फ पंजाब और पंजाबियों की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने निवेशकों को देश का सच्चा देशभक्त बताते हुए भरोसा दिया कि राज्य सरकार हर उस उद्योगपति के साथ चट्टान की तरह खड़ी है जो पंजाब की प्रगति में हाथ बंटाना चाहता है।

बठिंडा रिफाइनरी का विस्तार और नए बायोगैस प्लांट – इस बड़े निवेश के तहत एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (HMEL) बठिंडा में अत्याधुनिक 2जी (सेकंड जनरेशन) तकनीक पर काम करते हुए अपने ऑपरेशन्स का विस्तार कर रही है। इसके साथ ही कंपनी पंजाब भर में 10 नए बायोगैस प्लांट स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, जिनमें से 5 प्लांट पहले ही सफलतापूर्वक चालू किए जा चुके हैं। ये प्रोजेक्ट्स न केवल पंजाब की औद्योगिक क्षमता को बढ़ाएंगे, बल्कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक नई मजबूती देंगे।

पंजाब पुलिस महकमे में बड़ा उलटफेर

11 IPS अधिकारियों के तबादले

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

01 जून (एएम नाथ)

पंजाब सरकार ने पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए 11 आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। अमृतसर रूरल के एसएसपी सुहेल कासिम मीर को हटा दिया गया है। वह शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया के जबरन मजीठा थाने में घुसकर आरोपी छुड़ाने के बाद सुर्खियों में थे। उनकी जगह एसपी कंवलजीत सिंह को चार्ज दिया गया है।

फरीदकोट की एसएसपी प्रज्ञा जैन को हटा दिया गया है। जालंधर की पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर रंधावा को बदला गया है। उनकी जगह डीआईजी सतिंदर सिंह को जालंधर का नया सीपी लगाया गया है। जारी आदेशों के मुताबिक विशेष डीजी-कम-डायरेक्टर, एमआरएस पीपीए फिल्लौर अनीता पुंज को अब स्पेशल डीजीपी एचआरडी एंड वेलफेयर, पंजाब नियुक्त किया गया है। वहीं जालंधर के पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर को डायरेक्टर एमआरएस पीपीए फिल्लौर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सतिंदर सिंह जालंधर के नए पुलिस कमिश्नर : लुधियाना रेंज के डीआईजी सतिंदर सिंह को जालंधर का नया पुलिस कमिश्नर लगाया गया है। वहीं 75वीं बटालियन पीएपी जालंधर के कमांडेंट विवेक शील सोनी को डीआईजी बॉर्डर रेंज अमृतसर का कार्य देखने की जिम्मेदारी दी गई है। हाल ही में डीआईजी रैंक पर पदोन्नत हुए अधिकारियों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। सुरिंदरजीत सिंह मंड को डीआईजी जेल, पंजाब, कंवलदीप सिंह को डीआईजी लॉ एंड ऑर्डर, पंजाब, जबकि संदीप कुमार शर्मा को डीआईजी पीएपी-द्वितीय, जालंधर नियुक्त किया गया है।

संदीप गोयल को लुधियाना रेंज सौंपी गई : इसके अलावा एजीटीएफ-द्वितीय लुधियाना तथा डीआईजी बॉर्डर रेंज अमृतसर का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे संदीप गोयल को अब डीआईजी लुधियाना रेंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी सुहैल कासिम मीर को एआईजी पर्सोनल-1, पंजाब और फरीदकोट के एसएसपी प्रज्ञा जैन को एआईजी लॉ एंड ऑर्डर, पंजाब नियुक्त किया गया है।

वहीं प्रदीप कुमार यादव अपने मौजूदा पद आईजीपी टेक्निकल सर्विसेज, पंजाब पर ही बने रहेंगे। वह पहले की तरह पंजाब भवन, नई दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर (पुलिस समन्वय) का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालते रहेंगे।

गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक शेखर की ओर से जारी आदेशों में सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल नई तैनाती वाले स्थानों पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका है : सुशील कुमार रिंकू

» प्रथम न्यूज । जालंधर

01 जून (डोगरा)

भीषण गर्मी में प्यास से व्याकुल बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से समाज सेवी संस्था श्री राधेश्याम सेवा समिति द्वारा एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान संस्था की ओर से आम लोगों, राहगीरों एवं मोहल्ला निवासियों के बीच 250 मिट्टी के सिकोरे (कटोरे) वितरित किए गए तथा उन्हें पक्षियों के लिए पानी एवं दाना रखने के लिए प्रेरित किया गया अथवा ठाकुर जी की अति प्रिय तुलसी जी के 250 पौधे भी लोगों को वितरित किया गया। संस्था द्वारा राहगीरों को गर्मी से राहत प्रदान करने के लिए मीठे जल की छबील भी लगाई गई। संस्था के मुख्य सेवादार गोपी वर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में पक्षियों को पानी उपलब्ध करवाना मानवता की सेवा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों की छतों, खिड़कियों, बालकनियों तथा पेड़ों पर पक्षियों के लिए पानी के सिकोरे और दाने की व्यवस्था करें तथा नियमित रूप से उनमें पानी भरते रहें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने समिति की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए लोगों से अपने घरों में पक्षियों के लिए पानी और दाने की व्यवस्था करने की अपील की। इस अवसर पर गोपी वर्मा, वरिंदर महाजन, योगेश कत्याल, शिव अरोड़ा, हेमंत थापर आशु चोपड़ा, रसिक मनी भैया, रोहित वाधवा, विजय आनंद, हरीश शर्मा, पंकज मल्होत्रा, संजय आनंद, अश्विनी, दर्शन चावला, वरिंदर मागो, राजेश वर्मा, करण वर्मा, एडवोकेट करण वर्मा, साहिल वर्मा, हैप्पी अनेजा, बॉबी चौहान, अमन शूर, बॉबी शूर, रिंकू खुराना, अजय धवन, गौतम भगत, बिट्टू फौजी, डॉ. राज कुमार, धर्मचंद, विनोद भगत, शमी भगत, गौरव घई, राजकुमार, नरेंद्र हांडा, संदीप छाबड़ा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कैंट विधानसभा मे भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल राहत सामग्री लेकर अग्निकांड प्रभावित रायपुर गांव पहुंचे

» प्रथम न्यूज । जालंधर

01 जून (शैली अल्बर्ट)

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल, जिनका जालंधर और गांव जमशेर से गहरा जुड़ाव है, सोमवार को रायपुर फ़ाला गांव की दाना मंडी में हुए भीषण अग्निकांड के पीड़ितों से मिलने पहुंचे। ज्ञात रहे कि इस हादसे में कई घर जलकर राख हो गए और एक चार वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई थी।

शेरगिल भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा, जिला महासचिव राजेश कपूर, अशोक सरीन हिक्की, मंडल इंचार्ज जस जौहल, ममता लखनपाल, नरेश वालिया, और अन्य पार्टी नेताओं के साथ प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे। वे अपने साथ पीड़ित परिवारों के लिए जरूरी राहत सामग्री भी लेकर आए। राहत सामग्री में गद्दे, कपड़े, चप्पल, बर्तन, चारपाइयां, तिरपाल, पंखे, दवाइयां, अस्थायी दरवाजे और अन्य जरूरी घरेलू सामान शामिल थे।

घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए जयवीर शेरगिल ने कहा, इस दर्दनाक हादसे में चार साल के मासूम बच्चे की जान जाना बेहद दुखद है। जो परिवार रात को चैन से सोए थे, वे सुबह आग, तबाही और बेघर होने की स्थिति में जागे। पीड़ित परिवार केवल संपत्ति के नुकसान से नहीं जूझ रहे हैं, बल्कि इस भीषण गर्मी में उनके पास रहने की जगह, बिजली, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा गरीबों, जरूरतमंदों और संकट में फंसे लोगों के साथ खड़े रहे हैं। उनकी सेवा और संवेदनशीलता की भावना से प्रेरित होकर हम यहां राजनीति करने नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों तक तुरंत राहत और सहायता पहुंचाने आए हैं।

इस अवसर पर जयवीर शेरगिल, सुशील शर्मा, अशोक सरीन ने पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि भाजपा इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भी राहत कार्य जारी रहेंगे और प्रभावित परिवारों को दोबारा अपना जीवन व्यवस्थित करने के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से भी मांग की कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की तुरंत व्यवस्था की जाए, बिजली और पीने के पानी की आपूर्ति बहाल की जाए तथा भोजन और चिकित्सा सहायता पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाई जाए।

स्थानीय लोगों ने राहत सामग्री के त्वरित वितरण की सराहना की और इस मुश्किल समय में भाजपा नेताओं द्वारा दिखाई गई संवेदनशीलता और सहयोग का स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व सरपंच मीना राना, अजय पीवल, जोगिन्द्र बाठ, मस्सा राम, रमेश कुमार, ध्यान सिंघ, आर्यन भट्टी, जस्सी जंडियाला, मास्टर हीरालाल लखनपाल, पूर्व सरपंच रमन लखनपाल, पूर्व सरपंच सतपाल हरदोफराला, राधा रानी, द्वारका दास, पवन कुमार, कमल कुमार, गुरविंदर कुमार, कमलजीत, पिंदा टेसी, ललित बब्बू, सन्नी शर्मा, गौरव राय आदि इलाके के भाजपा वर्कर हाजिर थे।

ईद की असली खुशी गरीबों और जरूरतमंदों को खुशियों में शामिल करने में है : एडीजीपी मोहम्मद फ़ैयाज़ फ़ारूकी

» प्रथम न्यूज । जालंधर

01 जून (डोगरा)

पंजाब के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मोहम्मद फ़ैयाज़ फ़ारूकी से आज ऑल इंडिया सलमानी ट्रस्ट के चेयरमैन एवं शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ मुस्लिम नेता हाजी आबिद हसन सलमानी ने मुलाकात कर उन्हें ईद-उल-अज़्हा की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर शहज़ाद सलमानी, कलीम सलमानी, शाहरुख, ओनाश सिंह और तरसीम लाल भी मौजूद थे। मुलाकात के दौरान एडीजीपी मोहम्मद फ़ैयाज़ फ़ारूकी ने ईद-उल-अज़्हा के सामाजिक और मानवीय पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि त्योहार केवल खुशियां मनाने का नाम नहीं हैं, बल्कि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों को याद रखने तथा उनकी सहायता करने का भी एक बेहतरीन अवसर हैं। उन्होंने कहा कि ईद की वास्तविक भावना तभी उजागर होती है जब उन लोगों को भी खुशियों में शामिल किया जाए जो गरीबी, बेरोजगारी या अन्य कठिनाइयों के कारण जीवन की बुनियादी जरूरतें पूरी करने में परेशानी का सामना कर रहे हैं। इस अवसर पर हाजी आबिद हसन सलमानी ने कहा कि पंजाब हमेशा से सांप्रदायिक सौहार्द, प्रेम और भाईचारे की धरती रहा है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर राष्ट्रीय एकता और आपसी सम्मान की मिसाल पेश करते हैं।

गुरदासपुर पुलिस का नशा तस्करों पर चौतरफा वार: 17 ग्राम हेरोइन के साथ 4 स्मगलर काबू 2 महिलाएं 54,000 ML अवैध शराब सहित गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

01 जून (संदीप सन्नी)

गुरदासपुर पुलिस ने अलग-अलग थानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 4 हेरोइन तस्करों को दबोचा है और दो अलग-अलग मामलों में 2 महिलाओं को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

कार्रवाई नंबर 1=17 ग्राम 280 मिलीग्राम हेरोइन सहित 4 आरोपित गिरफ्तार गुरदासपुर पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए अलग-अलग नाकाबंदी और चेकिंग के दौरान कुल 17 ग्राम 280 मिलीग्राम हेरोइन बरामद कर 4 आरोपितों को सलाखों के पीछे भेजा है ।

थाना सिटी गुरदासपुर: पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाकर गगन कुमार और **दिनेश कुमार** को काबू किया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 06 ग्राम 280 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना सिटी गुरदासपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/29-61-85 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

थाना बहरामपुर: यहाँ पुलिस ने **साहिल कुमार** को गिरफ्तार कर उसके पास से 05 ग्राम हेरोइन बरामद करने में सफलता हासिल की। आरोपित के खिलाफ धारा 21(ए)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

थाना सदर गुरदासपुर: पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान **अनीकेत** नाम के आरोपित को दबोचकर उसके कब्जे से 06 ग्राम हेरोइन बरामद की। आरोपित के खिलाफ धारा 21(बी)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

कार्रवाई नंबर 2: थाना दीनानगर पुलिस ने 54,000 एमएल अवैध शराब सहित 2 महिलाओं को दबोचा

आबकारी कानून का उल्लंघन करने और अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना दीनानगर की पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में छापेमारी करते हुए 2 महिलाओं (आरोपियों) को गिरफ्तार किया है। इन दोनों के पास से कुल **54,000** एमएल एमएल अवैध शराब बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, एक महिला से **15,000** एमएल और दूसरी महिला से **39,000 एमएल** अवैध शराब बरामद हुई। दोनों महिला आरोपितों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत थाना दीनानगर में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पीएम श्री सरकारी कन्या स्कूल में दो आधुनिक क्लासरूम का उद्घाटन, डिजिटल गैजेट्स भी सौंपे

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

01 जून (संदीप सन्नी)

पंजाब की मान सरकार सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। यह विचार आप के हलका इंचार्ज रमन बहल ने स्थानीय पीएम श्री सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल (कन्या) में दो नए आधुनिक क्लासरूम का उद्घाटन करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

हलका इंचार्ज बहल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में

ऐतिहासिक सुधार कर रही है। इसी कड़ी के तहत इस स्कूल को शिक्षा को डिजिटल बनाने के लिए 14 नए कंप्यूटर और 4 एलईडी पैनल भी मुहैया करवाए गए हैं। उन्होंने भविष्य में भी स्कूल की हर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का भरोसा दिया।

इस अवसर पर स्कूल इंचार्ज अर्चना जोशी और प्रिंसिपल बलजिंदर कौर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और स्कूल की मांगों से अवगत करवाया। समारोह के अंत में मुख्य अतिथि रमन बहल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों (शिक्षा व खेल) में अव्वल रहने वाली मेधावी छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला शिक्षा कोऑर्डिनेटर अश्वनी शर्मा, गगन महाजन, हितेश महाजन, राजेश तिब्बड़, हेमराज गिल, और चेयरमैन दीपिका शर्मा सहित समूह स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त न्यूज

राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता के लिए हिमाचल टीम घोषित

बंगाणा, (जोगिंद्र देव आर्य) थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के सौजन्य 36 वीं जूनियर नेशनल थ्रोबॉल चैंपियनशिप से 5 से 7 जून 2026 तक राजस्थान के ब्यावर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता के लिए हिमाचल प्रदेश की लड़कों एवं लड़कियों की टीम की घोषणा राज्य महासचिव यशवीर राणा ने की है। लड़कों की टीम में वंश शर्मा, अंशुमन, अक्षव कटोच, हर्षित राणा, विवेक ठाकुर, योगराज, भुवनेश्वर, गौरव शर्मा, पुष्पित, हर्षित भारद्वाज, अभिनव भाटिया, शिवांश चौहान, प्राकृत रोनटो, अमन तथा अर्श शर्मा का चयन किया गया है। वहीं लड़कियों की टीम में दिया ठाकुर, समारा भापता, अनिका शर्मा, सनाया चौहान, परिधि चौहान, अरिका देशटा, निधि शर्मा, आराध्या शर्मा, यशिका, मीनाक्षी, हर्षिता शर्मा तथा हर्षल ठाकुर को स्थान मिला है। हिमाचल थ्रोबॉल एसोसिएशन के टेक्निकल अध्यक्ष यशवीर राणा ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी पिछले कई महीनों से कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि हिमाचल प्रदेश की टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेगी। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, खेल भावना एवं टीम भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। टीम की घोषणा के बाद खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। चयनित खिलाड़ियों को विभिन्न खेल संगठनों एवं क्षेत्रवासियों ने शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की कामना की है।

प्रधान बनने के बाद अनु कुमारी ने कुलदेवी मां कालका का लिया आशीर्वाद

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– कोटधार चुनाव क्षेत्र के अन्तिम छोर पर स्थित ग्राम पंचायत नघियार की नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी ने प्रधान बनने के पश्चात सर्वप्रथम कुलदेवी मां कालका देवी में सपरिवार सहित पूजा अर्चना करके मां का आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर उन्होंने सपरिवार सहित मां की चुनरी मां को समर्पित करते हुए भावी जीवन के लिए सुखद एवं मंगलमय की कामना की है इस अवसर पर स्व पिता की याद में आंखें नम हुई नवनिर्वाचित प्रधान अनु की आंखें और कहा कि आज यदि पिता जीवित होते तो ख़ुश होते वे अनू का सम्मान पुत्र से अधिक करते थे नवनिर्वाचित प्रधान ने अपनी जीत का श्रेय अपने समस्त परिवार एवं गांववासियों को देते हुए कहा कि जिस उम्मीद के साथ उन्होंने मेरे पर भरोसा किया है उन्हें विश्वास दिलाती हूं कि उनकी उम्मीदों पर खरी उतरूंगी गोरतलब है कि अनु कुमारी ने अपने स्व पिता हवालदार जगदीश चन्द ससुर स्व रोशन लाल शर्मा, माता भक्ति देवी,शहीद आशा कुमार शर्मा स्व ताया मंगत राम, स्व मंशा राम स्व गंगा राम,के सपने को सकार किया है

इस अवसर पर उन्होंने उनके छाया चित्र पर पुष्प अर्पित करके आशीर्वाद प्राप्त किया गौरतलब है कि शहीद आशा कुमार शर्मा का बेटा लव जोकि सीआरपीएफ छत्तीसगढ़ व पुनीत भारद्वाज जोकि जर्मनी में कार्यरत हैं उसने भी दूरभाष के माध्यम से अपनी चाची अनु कुमारी को ग्राम पंचायत नघियार का प्रधान बनने पर बहुत शुभकामनाएं दी हैं इस अवसर पर उनके परिजनों में अरविंद विपिन, अनिल, हर्ष,आयुष, कुश अनमोल ,संतोष कुमारी,पूनम, कमला देवी, पल्लवी रिया, बहिन निर्मला देवी ,मनोज कुमार ,शकुंतला देवी ,पुजा शर्मा, विनोद कुमार, सन्तोष बलदेव शर्मा, पीकी, सुशील कुमार नीलाम, दिपांशु, ज्ञानों देवी, सुभाष कुमार,ध्रुव केशव शर्मा, अनीश शर्मा,पूर्व महिला मंडल प्रधान आरती देवी,सोनू पुंज, रामेश्वर दत, सुनीता देवी, पूजा,अचछरु राम, शीला देवी,शिव कुमार निशु शैबू संजय नरेश सपना देवी सुशील कुमार, गौरव, पुष्प राज ,अमन शैली, अमन, सत्या देवी, रीता देवी एवं शिशु मांडल हाई स्कूल तलाई के समस्त प्रशासन ने अनु कुमारी को नघियार पंचायत का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नघियार पंचायत के विकास को दूंगी प्राथमिकता : अनु कुमारी

बरठी, 1 जून (जितेंद्र गौतम/देशराज) – नघियार पंचायत के विकास व जन सेवा के लिए पूरी ईमानदारी व समर्पण के साथ प्राथमिकता अधार पर कार्य करना मेरा प्रथम कर्तव्य है ये शब्द विकास खण्ड झंडूता के अंतर्गत पड़ने वाली ग्राम पंचायत नघियार में नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी ने चुनाव परिणाम आने के पश्चात समस्त गांववासियों को अपने सम्बोधन में कहें उन्होंने अपनी बिजय का श्रेय नघियार की जनता को दिया है गौरतलब है कि इस पंचायत में प्रधान पद लिए अनु कुमारी व मिनाक्षी ने इस पंचायत से दावेदारी पेश की है जिसमें अनु कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1022 मत प्राप्त करने में सफल रही जबकि अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी मिनाक्षी को 321 मतों से पराजित करके प्रधान पद पर बिजया श्री की है उन्होंने कहा कि नघियार पंचायत में सड़क स्वास्थ्य पेयजल स्वच्छता पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण,बिरोजगार युवाओं के लिए रोजगार, के अवसर प्रदान किए जाने के अतिरिक्त अपनी पुरातन संस्कृति को संजोए रखने के लिए भाषा एवं संस्कृति विभाग एवं जिला लोक सम्पर्क कार्यलय के संयुक्त तत्वावधान से जी लोक सांस्कृतिक उत्सव एवं कार्यक्रम समयनुसार आयोजित करवायें जायेंगे जिसमें स्थानीय जनता का सहयोग अति आवश्यक है उन्होंने इस पंचायत में नघियार ठेहड़ू बनाहल, भगतपुर फरनोल, मरूड़ा ठठोलियां व समस्त गांववासियों के दिये गये भरपूर सहयोग का अभार व्यक्त किया है इस अवसर पर गांववासियों द्वारा आयोजित सादे समारोह में नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी का पुष्प वर्षा एवं पुष्टाहार पहना कर स्वागत किया गया गौरतलब है कि अनु कुमारी के पति अनिल कुमार शर्मा जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस में अपनी सेवाएं दे रहे है।

सीएम सुक्खू ने की जनगणना अभियान में सहयोग की अपील

मुख्यमंत्री बोले, विकास योजनाओं की मजबूत नींव है जनगणना

» प्रथम न्यूज । शिमला
01 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में जनगणना अभियान प्रारंभ होने के साथ ही मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रदेशवासियों से इसमें सक्रिय भागीदारी और पूर्ण सहयोग करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के भविष्य की विकास योजनाओं की मजबूत नींव तैयार करने वाला महत्वपूर्ण अभियान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी एवं जरूरत आधारित तरीके से तैयार करने में मदद करेंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे जनगणना कर्मियों को सही, सटीक और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि विकास योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान एकत्र की जाने वाली सभी व्यक्तिगत जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी। इनका उपयोग केवल जनहित और विकासोन्मुख नीतियों के निर्माण के लिए किया जाएगा तथा किसी भी व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समग्र विकास, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और भविष्य की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनगणना का सफल होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और समृद्ध, सशक्त तथा विकसित हिमाचल प्रदेश के निर्माण में भागीदार बनें।

टोंगलेन ट्रस्ट के बच्चों को मिलेगी मासिक वित्तीय सहायता, भूमि पट्टे पर भी मिलेगा सहयोग

मुख्यमंत्री से मिला टोंगलेन ट्रस्ट का प्रतिनिधिमंडल, शिक्षा व संरक्षण कार्यों की सराहना

» प्रथम न्यूज । शिमला
01 जून (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से आज टोंगलेन ट्रस्ट, धर्मशाला के प्रतिनिधिमंडल ने ट्रस्ट के निदेशक थेरचिन ग्याल्तसेन के नेतृत्व में भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वंचित एवं बेसहारा बच्चों को शिक्षा, संरक्षण और बेहतर भविष्य प्रदान करने के लिए ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरणादायी बताया।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय के लिए भूमि पट्टे की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री ने इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए कार्यरत संस्थाओं को पूरा समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बच्चों की शिक्षा और देखभाल को मजबूत बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता की भी घोषणा की। इसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों को प्रतिमाह 1,000 रुपये तथा 14 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों को 2,500 रुपये प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर जगत सिंह नेगी, हरीश जनारथा, ट्रस्टी दोरजे तथा पार्षद पलकित नेगी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार और सामाजिक संस्थाओं का समन्वित प्रयास आवश्यक है।

देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' का किया गया शुभारम्भ

» प्रथम न्यूज । शिमला
01 जून (बी शर्मा)

शिमला ने किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' की शुरुआत की है। अभियान का औपचारिक शुभारंभ संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. जगदेव शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि यह पहल उर्वरकों के दक्ष उपयोग, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, मृदा परीक्षण आधारित वैज्ञानिक फसल नियोजन तथा किसानों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने पर केंद्रित है, जिससे दीर्घकालिक कृषि स्थिरता और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

संस्थान के 'मेरा गांव मेरा गौरव' कार्यक्रम के अंतर्गत गठित दो टीमों ने आज शिमला जिले के विभिन्न गांवों में जागरूकता एवं विस्तार गतिविधियां संचालित कीं। इसी क्रम में शिमला जिले के डोमेहर गांव में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक डॉ. सोम दत्त, डॉ. कैलाश नागा एवं डॉ. मनीषा ने किसानों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और उसके लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को नकली उर्वरकों एवं कीटनाशकों से सतर्क रहने की सलाह देते हुए सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जैविक उर्वरकों एवं जैव–कीटनाशकों के निर्माण की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। इस कार्यक्रम में लगभग 40 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

सामाजिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसके अंतर्गत किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग, हरी खाद तथा जैविक एवं जैव–आधारित कृषि आदानों के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी क्षमता विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों, खेत प्रदर्शनियों तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

डॉ. पिनबियांगलांग के., वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि इसी दिन डीपीएस रानीपुर, हरिद्वार (उत्तराखंड) तथा एसवीबी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च स्टेशन, आईजीकेवी, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के लगभग 150 विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों ने संस्थान का भ्रमण किया। इस अवसर पर तकनीकी अधिकारी श्री धर्मेंद्र गुप्ता ने उन्हें 'खेत बचाओ अभियान' के उद्देश्यों से अवगत कराया तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए विज्ञान–आधारित एवं सतत कृषि पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला।

वैज्ञानिकों ने फसलों की पोषक तत्व आवश्यकताओं के निर्धारण हेतु मृदा परीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया तथा वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुसार उर्वरकों के संतुलित प्रयोग की सलाह दी। किसानों को मृदा उर्वरता बढ़ाने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए कम्पोस्ट, हरी खाद तथा समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

ज़िला प्रशासन युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए प्रतिबद्ध - मनमोहन शर्मा

» प्रथम न्यूज । सोलन
01 जून (बी शर्मा)

उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखने के लिए ज़िला प्रशासन प्रतिबद्ध है। मनमोहन शर्मा आज यहां केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड के साथ सम्बद्ध राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सोलन में एंटी चिट्टा जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण के शुभारम्भ के उपरांत उपस्थित छात्रों, अध्यापकों एवं अन्य को सम्बोधित कर रहे थे।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ठाकुर के दिशा–निर्देशानुसार प्रदेश में युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने और चिट्टा जैसे मादक पदार्थ के समूल नाश के लिए सघन अभियान कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत सभी ज़िलों में युवा शक्ति की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान करने और मादक पदार्थों से उन्हें दूर रखने के लिए सभी स्तरों पर विभिन्न कार्यक्रम एवं लक्ष्य केन्द्रित अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य समाज को चिट्टा जैसे मादक पदार्थों के विरुद्ध एकजुट करना तथा विभिन्न विभागों, स्वयं सेवी संस्थाओं और आमजन के समन्वित सहयोग से नशे को समाप्त करना है।

उपायुक्त ने कहा कि युवाओं को नशे को न कहना सीखना है और अपने साथियों को भी इस ज़हर से दूर रखना है। उन्होंने कहा कि आज के छात्र कल देश और प्रदेश को आगे ले जाने में सहायक बनेंगे। युवा पीढ़ी का मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना न केवल युवाओं के लिए अपितु पूरे समाज के लिए आवश्यक है। मनमोहन शर्मा ने कहा कि चिट्टा जैसा नशा युवाओं को एक ओर जहां धीरे–धीरे पूर्ण रूप से अक्षम बनाता है वहीं आर्थिक कमज़ोरी एवं सामाजिक बहिष्कार का कारण भी बनता है। उन्होंने कहा कि यदि युवा ठान लें तो किसी भी प्रकार के नशे के चंगुल में उन्हें नहीं फंसाया जा सकता।

उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि समाज और परिवार के साथ–साथ अपने भविष्य के लिए नशे से दूर रहें। उन्होंने आशा जताई कि युवा नशे के विरुद्ध सदैव एकजुट रहेंगे और अपने साथियों को भी नशे से दूर रखेंगे। उन्होंने कहा कि छात्रों को नियमित व्यायाम एवं खेलों को भी जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ज़िला प्रशासन द्वारा प्रथम जून, 2026 से 20 अगस्त, 2026 तक ज़िला के सभी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों, राजकीय उच्च विद्यालयों तथा निजी विद्यालयों में एंटी चिट्टा जागरूकता अभियान का द्वितीय चरण कार्यान्वित किया जाएगा। अभियान के तहत छात्रों को नशाखोरी विशेषकर चिट्टा के दुष्प्रभावों के विरुद्ध जागरूक किया जाएगा ताकि वह स्वस्थ, अनुशासित एवं नशा मुक्त जीवन पद्धति अपनाएं।

उन्होंने अध्यापकों एवं अभिभावकों से आग्रह किया कि छात्रों के साथ मित्रवत व्यवहार रखें और शिक्षा के साथ–साथ उन्हें नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक गतिविधियों की जानकारी दें।

उपायुक्त ने कहा कि ज़िला के विभिन्न अधिकारियों को 20 अगस्त, 2026 तक विद्यालयों में एंटी चिट्टा जागरूकता अभियान के तहत छात्रों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि समग्र रूप से नशा मुक्त अभियान सफल हो सके।

इस अवसर पर छात्रों को नशाखोरी के दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अध्यापक तथा छात्र इस अवसर पर उपस्थित थे।

हिमाचल के नए मुख्य सचिव बने केके पंत

संजय गुप्ता की सेवानिवृत्ति के बाद सरकार ने सौंपी जिम्मेदारी

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कमलेश कुमार पंत (केके पंत) को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। कार्मिक विभाग की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचना के अनुसार राज्यपाल ने केके पंत को तत्काल प्रभाव से मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपने के आदेश दिए हैं।

केके पंत 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। वह वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) एवं वित्त आयुक्त (राजस्व) के पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा उनके पास अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन, गृह एवं सतर्कता) तथा हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष का भी दायित्व है।

राज्य के पूर्व मुख्य सचिव संजय गुप्ता 30 मई 2026 को सेवानिवृत्त हो गए थे। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद सरकार ने वरिष्ठता को प्राथमिकता देते हुए केके पंत को मुख्य सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है।

प्रशासनिक हलकों में केके पंत को एक स्वीकार्य और अनुभवी अधिकारी माना जाता है। मूल रूप से उत्तराखंड से संबंध रखने वाले पंत वर्ष 2024 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से हिमाचल प्रदेश लौटे थे। वह राज्य प्रशासन के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

केके पंत 31 दिसंबर 2030 को सेवानिवृत्त होंगे। ऐसे में उनके पास राज्य प्रशासन का नेतृत्व करने के लिए लंबा कार्यकाल उपलब्ध रहेगा। मुख्य सचिव राज्य सरकार का सबसे वरिष्ठ प्रशासनिक पद होता है और सरकार की नीतियों तथा प्रशासनिक कार्यों के समन्वय में इसकी अहम भूमिका मानी जाती है।

राष्ट्रपति से संवाद करेंगे नौणी विश्वविद्यालय के पांच होनहार शोधार्थी

» प्रथम न्यूज । सोलन
01 जून (एएम नाथ)

डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के पांच होनहार वर्तमान एवं पूर्व छात्रों का चयन 2 जून को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले जनजातीय गरिमा उत्सव–2026 के अंतर्गत राष्ट्रपति संवाद कार्यक्रम के लिए हुआ है।

इस दौरान चयनित छात्र भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सीधे संवाद करेंगे। ञ्चचयनित विद्यार्थियों में अभिषेक नेगी, डॉ. ज्योति चौधरी, डॉ. सुमन बोध, डॉ. सुदर्शना और डॉ. मोहम्मद हुस्नैन शामिल हैं। इनका चयन भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा किया गया है। ये सभी छात्र नेशनल फेलोशिप फॉर शेड्यूल्ड ट्राइब्स (एनएफएसटी) के लाभार्थी रहे हैं और उच्च शिक्षा, शोध तथा अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं।

देशभर से करीब 200 प्रतिभाशाली जनजातीय शोधार्थी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। चयनित छात्रों में अभिषेक नेगी वर्तमान में एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट विभाग में पीएचडी कर रहे हैं, जबकि अन्य चारों पूर्व छात्र विभिन्न विषयों में डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त कर देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में संकाय सदस्य के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एच.एस. बवेजा ने इसे संस्थान और हिमाचल प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए सभी चयनित छात्रों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति से संवाद का यह अवसर विद्यार्थियों की प्रतिभा और विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है।

जनगणना-2027 शुरू-15 जून तक करें सेल्फ एन्यूमरेशन

जनगणना राष्ट्रीय विकास का आधार, नागरिक निभाएं जिम्मेदारी : मुकेश रेपसवाल

» प्रथम न्यूज । चम्बा
01 जून (एएम नाथ)

उपायुक्त एवं जिला जनगणना अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने आज बचत भवन में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि 1 जून से जनगणना–2027 की प्रक्रिया आरम्भ हो गई है। उन्होंने कहा कि जनगणना दो चरणों में सम्पन्न की जाएगी।

प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना की जाएगी जो 16 जून से आरम्भ होगी ।इस दौरान प्रगणक (जनगणना कर्मी) नागरिकों से 33 प्रश्न पूछेंगे, जिनमें आवास की स्थिति, पेयजल सुविधा, शौचालय, बिजली, रसोई ईंधन, इंटरनेट तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित जानकारी शामिल होगी।

उपायुक्त ने बताया कि जनगणना–2027 में आधुनिक डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जा रहा है तथा नागरिकों को स्व–गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है।

उन्होंने कहा कि 1 जून से 15 जून तक नागरिक जनगणना–2027 की आधिकारिक वेबसाइट एसइ.सेंसस.जीओवी.इन पर अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉगिन कर 33 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। स्व–गणना प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पंजीकरणकर्ता को एक यूनिक आईडी प्रदान की जाएगी, जिसे मोबाइल संदेश के माध्यम से भी भेजा जाएगा।

मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना के दौरान जिन नागरिकों ने स्व–गणना की होगी, उन्हें अपनी प्राप्त यूनिक आईडी प्रगणकों को उपलब्ध करवानी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा उपलब्ध करवाई गई समस्त जानकारी को पूर्णत: सुरक्षित, गोपनीय एवं गोपनीयता के निर्धारित मानकों के अनुरूप रखा जाएगा।

जिला जनगणना अधिकारी ने बताया कि जनगणना के दूसरे चरण में प्रगणकों द्वारा नागरिकों की गणना की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जनगणना किसी भी देश की विकास योजनाओं की आधारशिला होती है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, नीतियों और कल्याणकारी कार्यक्रमों का निर्माण करती है।

उपायुक्त ने जिला के सभी नागरिकों से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहयोग देने तथा प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने की अपील की। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से स्व–गणना सुविधा का उपयोग कर जनगणना प्रक्रिया को सरल, तेज एवं प्रभावी बनाने का भी आग्रह किया।

संक्षिप्त न्यूज

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को मिला नया मुख्य न्यायाधीश

केंद्र सरकार ने जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा को कार्यवाहक चीफ जस्टिस बनाया

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत किया गया है। वहीं शील नागू के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस पद पर नई नियुक्ति कर दी गई है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय की तरफ से जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने का आदेश जारी किया गया है। यह नियुक्ति तब तक प्रभावी रहेगी जब तक हाईकोर्ट को नियमित मुख्य न्यायाधीश नहीं मिल जाता। अश्वनी कुमार मिश्रा पंजाब एवं हरियाणा कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर कार्य कर रहे थे।

मारुति सुजुकी की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार इस सप्ताह होगी लॉन्च, महंगे पेट्रोल से मिलेगी राहत

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) – देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इस सप्ताह अपनी पहली फ्लेक्स फ्यूल कार को बाजार में पेश करने जा रही है। इस नई तकनीक से लैस वाहन के आने से उपभोक्ताओं को महंगे पेट्रोल पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

फ्लेक्स फ्यूल तकनीक वाली कारें पेट्रोल के साथ-साथ एथेनॉल मिश्रित ईंधन पर भी चल सकती हैं। यह तकनीक वाहन मालिकों के लिए ईंधन खर्च कम करने के साथ-साथ प्रदूषण घटाने में भी सहायक मानी जाती है। भारत सरकार भी एथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है, जिसके तहत वाहन कंपनियों को फ्लेक्स फ्यूल वाहनों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मारुति सुजुकी की इस पहल को ऑटोमोबाइल सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्स फ्यूल वाहनों के बढ़ते उपयोग से देश की तेल आयात पर निर्भरता कम होगी और किसानों को एथेनॉल उत्पादन के माध्यम से अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा।

कंपनी की ओर से लॉन्च होने वाली इस नई कार में आधुनिक फीचर्स, बेहतर माइलेज और पर्यावरण अनुकूल तकनीक का समावेश किया गया है। ऑटोमोबाइल उद्योग और ग्राहकों की नजरें अब इस बहुप्रतीक्षित लॉन्च पर टिकी हुई हैं। मारुति सुजुकी की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार का बाजार में आगमन भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में हरित ऊर्जा और वैकल्पिक ईंधन की दिशा में एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है।

चंडीगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई- 24 उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार, फरार आरोपियों पर कसा शिकंजा

चंडीगढ़, (पुनीत महाजन) – चंडीगढ़ पुलिस के पीओ (Proclaimed Offender) एवं समन स्टाफ ने फरार एवं उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। एसएसपी यूटी चंडीगढ़ के निर्देशों तथा डीएसपी डीडीसीसी पी. अभिनंदन के पर्यवेक्षण में इंस्पेक्टर हरभजन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कुल 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान :

10 उद्घोषित अपराधी (PO) राज्य मामलों में गिरफ्तार किए गए।

138 एनआई एक्ट (Negotiable Instruments Act) मामलों में 07 पीओ गिरफ्तार किए गए।

06 गैर-जमानती वारंट (NBW) तामील किए गए।

01 आरोपी को पुनः गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विभिन्न आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे उद्घोषित अपराधी शामिल हैं। इनमें आबकारी अधिनियम, धोखाधड़ी, मारपीट, आपराधिक विश्वासघात, चेक बाउंस तथा भारतीय न्याय संहिता/भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामलों के आरोपी शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपियों को संबंधित न्यायालयों में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून से बचने की कोशिश करने वाले आरोपियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। चंडीगढ़ पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी अपराधी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 312 ईआरवी वाहनों को दिखाई हरी झंडी

करीब 5 करोड़ रुपये की लागत से हरियाणा पुलिस को मिली 310 मोटरसाइकिलें और 2 होंडा एलिवेट गाड़ियां

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
01 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को गुरुग्राम के लेजर वैली पार्क में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा पुलिस के लिए 312 इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल्स (ईआरवी) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों में 310 मोटरसाइकिलें और 2 होंडा एलिवेट गाड़ियां शामिल हैं, जिन्हें होंडा इंडिया फाउंडेशन ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत करीब 5 करोड़ रुपये की लागत से उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल प्रदेश में जन सुरक्षा को और मजबूत बनाने के साथ-साथ आपात स्थिति में लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। नई ईआरवी के माध्यम से पुलिस की पहुंच बढ़ेगी और संकट की स्थिति में लोगों को पहले से अधिक तेजी से सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि तकनीक और संसाधनों से सुसज्जित पुलिस व्यवस्था ही नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत करती है।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा पुलिस के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश में पुलिस का औसत रिस्पांस टाइम लगभग 18 मिनट है, जबकि हरियाणा पुलिस ने इसे घटाकर मात्र 7 मिनट 3 सेकंड तक पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता, बेहतर प्रबंधन और आधुनिक कार्यप्रणाली का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता को समय पर सहायता उपलब्ध कराना ही सुशासन का वास्तविक स्वरूप है।

उन्होंने बताया कि गुरुग्राम को 60 मोटरसाइकिलें और एक होंडा एलिवेट गाड़ी, फरीदाबाद को 40 मोटरसाइकिलें और एक होंडा एलिवेट गाड़ी उपलब्ध करवाई गई है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के अन्य जिलों को 210 मोटरसाइकिलें दी गई हैं। इन वाहनों को विभिन्न संवेदनशील और प्रमुख क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा ताकि आवश्यकता पड़ने पर पुलिस सहायता कम से कम समय में उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी भी सुरक्षित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि सरकार, प्रशासन और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयासों से जनहित के कार्यों को नई गति मिलती है और यह पहल भी उसी सोच का उदाहरण है।

पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि नई ईआरवी के शामिल होने से हरियाणा पुलिस की आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि ये वाहन किसी भी सूचना पर तेजी से घटनास्थल तक पहुंचने में सक्षम होंगे, जिससे लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना और अधिक आसान होगा। पुलिस आयुक्त शिवास कविराज ने कहा कि आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित ये वाहन पुलिसिंग को और प्रभावी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मोटरसाइकिल आधारित ईआरवी भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संकरी गलियों में तेजी से पहुंचकर आपात स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी तथा नागरिकों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने में सहायक साबित होंगी। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला देवी, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, एचएमएसआई के सीनियर डायरेक्टर एवं होंडा इंडिया फाउंडेशन के ट्रस्टी विनय ढींगरा, एचएमएसआई की डायरेक्टर सचिमी ताकाता, एचएमएसआई के डायरेक्टर एवं सीएफओ तोयोहिरो हाबा तथा होंडा इंडिया फाउंडेशन के ऑपरेटिंग ऑफिसर राजीव तनेजा सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समाध बाबा भोलेनाथ शिव मंदिर जलबेड़ा में श्रद्धापूर्वक हुआ रुद्राभिषेक, समाज कल्याण एवं ग्राम सुख-समृद्धि की हुई कामना

» प्रथम न्यूज । इस्माईलाबाद
01 जून (सुनील कोमल)

गांव जलबेड़ा स्थित समाध बाबा भोलेनाथ शिव मंदिर में सोमवार को समाज कल्याण, ग्राम की सुख-शांति, समृद्धि एवं विश्व कल्याण की भावना से श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु गोरखनाथ धाम के महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान भोलेनाथ का विधिवत रुद्राभिषेक कराया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने कहा कि धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा लोगों को अपनी संस्कृति और सनातन परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा और भक्ति से प्रसन्न होकर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। रुद्राभिषेक से वातावरण में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार होता है तथा समाज में सुख, शांति और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने गुरु गोरखनाथ जी महाराज के जीवन, तपस्या, योग साधना एवं मानव कल्याण के लिए दिए गए संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी ने सत्य, सेवा, संयम और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाया, जिसका अनुसरण कर व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है।

इसके उपरांत मंदिर के संचालक महंत योगी श्री सोमनाथ जी महाराज ने रुद्राभिषेक के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि रुद्राभिषेक भगवान शिव को प्रसन्न करने का श्रेष्ठ माध्यम है।

यह अनुष्ठान केवल व्यक्तिगत कल्याण के लिए ही नहीं, बल्कि समाज, गांव और समस्त मानवता के मंगल हेतु भी किया जाता है। इससे नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र की खुशहाली, समाज के कल्याण, गांव की उन्नति एवं विश्व शांति की प्रार्थना की। पंडित नरेश शर्मा ने विधिवत वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार रुद्राभिषेक संपन्न कराया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमियों एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, दिलेर सिंह, राकेश कुमार, अभिषेक जलबेड़ा, पंकज राणा, ओमपाल राणा, विक्रम सिंह राणा, मोहित शर्मा, राजेश शर्मा, सुखविंदर, जसवीर नंबरदार, तिलक शर्मा, मानव शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्री खाटू श्याम मंदिर निर्माण सेवा में जुटा सुदामा परिवार सेवा मंडल, भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

» प्रथम न्यूज । इस्माईलाबाद
01 जून (सुनील कोमल)

सुदामा परिवार सेवा मंडल, इस्माईलाबाद के सदस्यों ने श्री श्याम दरबार बाबा खाटू श्याम जी के मंदिर निर्माण कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए सेवा भावना का परिचय दिया। मंदिर निर्माण के तहत भवन का लेंटर डाला गया, जिसमें मंडल के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने श्रमदान कर अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की।

निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर गुरु गोरखनाथ धाम के महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चारण के साथ सेवा कार्य का शुभारंभ कराया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण जैसे पुण्य कार्य समाज में धार्मिक चेतना, सद्भाव एवं सेवा संस्कारों को सुदृढ़ करते हैं।

निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत मंदिर परिसर में भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध भजन गायक श्रवण राज शाहाबाद ने बाबा खाटू श्याम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। श्याम भक्तों ने भजनों का गुणगान करते हुए वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। देर रात तक श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर बाबा श्याम का स्मरण करते रहे।

इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य पवन कुमार ने बताया कि श्री खाटू श्याम जी के मंदिर का निर्माण कार्य निरंतर प्रगति पर है।

इस पावन अभियान में समस्त ग्रामवासी एवं सुदामा परिवार सेवा मंडल के सदस्य तन, मन और धन से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, संस्कार एवं सेवा भाव का भी प्रतीक होता है।

पवन कुमार ने बाबा खाटू श्याम जी के त्याग, परोपकार और अद्भुत भक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चे मन से बाबा की शरण में आने वाले प्रत्येक भक्त पर उनकी विशेष कृपा बनी रहती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से मानव सेवा, परस्पर सद्भाव और धार्मिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, ग्रामवासियों एवं सुदामा परिवार सेवा मंडल के सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने मंदिर निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने का संकल्प लेते हुए बाबा खाटू श्याम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर सुमित धवन, सुमित कथूरिया, अंकुर कथूरिया, विकास वर्मा, पुनीत अजरावर, सनी कालड़ा, कपिल अरोड़ा, भगवान दास गोयल, हरीश बजाज, मनीष राणा, मणि शर्मा, वंश बठला,सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेक्टर-42 गर्ल्स कॉलेज के रिलीव आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने प्रिंसिपल से की मुलाकात, दो दिन में समाधान का आश्वासन

बहाली न होने पर उच्च शिक्षा विभाग के खिलाफ आंदोलन को मजबूर होगी फैडरेशन - रंजीत मिश्रा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
01 जून (पुनीत महाजन)

गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर-42 से रिलीव किए गए आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने सोमवार को कॉलेज की प्रिंसिपल बीनू डोगरा से मुलाकात कर अपनी बहाली, सेवा सुरक्षा तथा अन्य लंबित मुद्दों को उठाया। कर्मचारियों के अनुसार, प्रिंसिपल ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग से आवश्यक अनुमति प्राप्त होने के बाद दो दिनों के भीतर स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। कर्मचारियों ने इस आश्वासन पर संदेह जताते हुए कहा कि उनका जेम पोर्टल के माध्यम से जारी टेंडर 1 जनवरी 2027 तक वैध है, इसलिए उन्हें कार्यमुक्त किए जाने का कोई औचित्य नहीं बनता। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले अन्य सरकारी कॉलेजों, जैसे सेक्टर-11 और सेक्टर-46, में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की सेवाएं जारी हैं। ऐसे में केवल सेक्टर-42 कॉलेज में कर्मचारियों को रिलीव किए जाने से भेदभाव और असमंजस की स्थिति पैदा हुई है।

फैडरेशन के प्रधान रंजीत मिश्रा ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग में हर वर्ष अनुमति लेने या आने की प्रक्रिया की आड़ में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण होता रहा है।

उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्ष भी ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान कर्मचारियों को रिलीव कर दिया गया था और फैडरेशन के धरना-प्रदर्शन के बाद लगभग चार महीने पश्चात उनकी बहाली हुई थी।

कर्मचारियों ने कहा कि अचानक कार्यमुक्त किए जाने से अनेक परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि कॉलेज प्रशासन पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा कर कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल बहाल करे तथा भविष्य में उनकी नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करे। रंजीत मिश्रा ने कहा कि फैडरेशन फिलहाल प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रही है। यदि आगामी दो दिनों में कोई ठोस समाधान नहीं निकलता, तो कर्मचारियों को पिछले वर्ष की तरह पुनः आंदोलन और धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

मन की बात कार्यक्रम का आयोजन, भाजपा जिला कठुआ के उपाध्यक्ष बनने पर इंदु महाजन सम्मानित

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) – आज भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा इंदु महाजन के निवास स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड को सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रहित, सामाजिक जागरूकता तथा जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर इंदु महाजन को भाजपा जिला कठुआ का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर चुनरी पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही उपस्थित अन्य कार्यकर्ताओं को भी पटके पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान इंदु महाजन ने महिला मोर्चा अध्यक्ष सुषमा महाजन जी को चुनरी पहनाकर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने सम्मान के लिए महिला मोर्चा अध्यक्ष सुषमा महाजन जी, जिला अध्यक्षा उपदेश अंडोत्रा जी, जिला प्रभारी सुमन रैना जी तथा गीता भगत जी का विशेष रूप से धन्यवाद किया। इंदु महाजन ने कहा कि पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को वह पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाएंगी तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती तथा जनसेवा के संकल्प को दोहराया।

आज का

संपादकीय

माता-पिता : जीवन की सबसे बड़ी पूंजी और सच्चे मार्गदर्शक

माता-पिता हमारे जीवन की वह अनमोल धरोहर हैं, जिनके त्याग, प्रेम, संघर्ष और संस्कारों की बदौलत हम जीवन में आगे बढ़ते हैं। संसार में यदि कोई रिश्ता निस्वार्थ प्रेम, समर्पण और सुरक्षा का प्रतीक है तो वह माता-पिता का रिश्ता है। वे अपने बच्चों की खुशियों के लिए हर कठिनाई को सहन करते हैं और स्वयं के सपनों का त्याग कर उनके भविष्य को संवारने में अपना पूरा जीवन लगा देते हैं।

हर वर्ष 1 जून को माता-पिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें अपने माता-पिता के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में अक्सर हम अपने माता-पिता को पर्याप्त समय नहीं दे पाते, जबकि उन्हें हमारी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे में यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि माता-पिता का सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि जीवन के हर दिन किया जाना चाहिए।

माता-पिता हमारे पहले शिक्षक होते हैं। वे हमें जीवन के मूल्यों, संस्कारों और जिम्मेदारियों का पाठ पढ़ाते हैं। उनकी सीख और अनुभव हमें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। जब भी हम किसी कठिन परिस्थिति में होते हैं, माता-पिता का मार्गदर्शन और आशीर्वाद हमें नई शक्ति प्रदान करता है।

आज के समय में समाज का यह दायित्व बनता है कि बुजुर्ग माता-पिता को सम्मान और सुरक्षा प्रदान की जाए। परिवारों को चाहिए कि वे अपने माता-पिता के साथ समय बिताएं, उनकी भावनाओं को समझें और उन्हें यह एहसास कराएं कि वे परिवार की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। माता-पिता दिवस के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने माता-पिता का सम्मान करेंगे, उनकी सेवा करेंगे और उनके सपनों तथा उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास करेंगे। उनका आशीर्वाद ही जीवन की सबसे बड़ी सफलता और सबसे बड़ी संपत्ति है। आइए, इस माता-पिता दिवस पर हम अपने माता-पिता के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करें तथा उनके द्वारा दिए गए संस्कारों को अपने जीवन में अपनाकर एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दें।

माता-पिता का सम्मान करना केवल हमारा कर्तव्य नहीं, बल्कि हमारा सौभाग्य है।

पुनीत महाजन, चंडीगढ़
समाज सेवक, जनरल सेक्रेटरी कम फाउंडर भारतीय एकता मंच एवं संवाददाता पत्रकार

पुल हादसों का सच : मुनाफाखोर ठेकेदार या निगरानी में नाकाम सरकार ?

भारत में बुनियादी ढांचे का विकास बेहद तेज गति से हो रहा है, लेकिन इसी चमक-दमक के बीच देश के उत्तर प्रदेश के बिलासपुर मे गत दिन एक निर्माणाधीन पुल गिरने से 6लोगो की मृत्यु हुई इसी तरह अलग अलग हिस्सों से पुलों और इमारतों के गिरने की खबरें विचलित करती हैं। हाल के वर्षों में खासकर बिहार, गुजरात ,उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में हुए पुल और फ्लाईओवर हादसों ने एक गंभीर बहस को जन्म दिया है- इन हादसों का असली जिम्मेदार कौन है-मुनाफाखोर ठेकेदार या निगरानी में नाकाम सरकार?

आइए, आधिकारिक आंकड़ों, संसदीय रिपोर्टों और स्वतंत्र अध्ययनों के आधार पर इस जटिल समस्या का विस्तृत विश्लेषण करते हैं।

देश में बुनियादी ढांचे की विफलता : डराने वाले आंकड़े

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) और विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के विश्लेषण से भारत में पुल और बुनियादी ढांचे के गिरने की भयावह तस्वीर सामने आती है:

2021 से 2025 के बीच की स्थिति: न्यूजलॉन्ड्री की एक विस्तृत मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 2021 से 2025 के बीच देश में 170 से अधिक पुल गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 202 से ज्यादा लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी और 441 से अधिक लोग घायल हुए।

साल 2024 का रिकॉर्ड्सअकेले वर्ष 2024 में देश भर में 48 पुल गिरने की घटनाएं हुई। इनमें से बिहार में ही लगभग 15 बड़े और छोटे पुल ताश के पत्तों की तरह ढह गए।

सबसे प्रभावित राज्य : 2021-2025 के बीच सबसे अधिक पुल बिहार (26), उत्तराखंड (25), हिमाचल प्रदेश (17) और गुजरात (16) में गिरे।

बड़ा हादसा : जुलाई 2025 में गुजरात के वड़ोदरा में करीब 40 साल पुराना गांभीरा ब्रिज गिरने से 18 लोगों की मौत हो गई, जिसने रखरखाव की पोल खोल दी। वहीं 2022 का मोरबी पुल हादसा (135 मौतें) भारत के इतिहास का सबसे दर्दनाक हादसा रहा है।

ठेकेदार की भूमिका : मुनाफा और भ्रष्टाचार का कॉकटेल

जब भी कोई पुल या इमारत गिरती है, तो पहली उंगली निर्माण कंपनी या ठेकेदार पर उठती है। ठेकेदारों के स्तर पर निम्नलिखित खामियां मुख्य रूप से जिम्मेदार होती हैं:

1. घटिया सामग्री का उपयोग

लागत बचाने और अपना मुनाफा मार्जिन बढ़ाने के लिए ठेकेदार अक्सर खराब गुणवत्ता वाले सीमेंट, कम टीएमटी स्टील और अमानक बालू का उपयोग करते हैं।2020 के एक तकनीकी अध्ययन में पाया गया कि देश में 10.1त्न पुलों के गिरने की मुख्य वजह सीधे तौर पर घटिया निर्माण सामग्री और स्ट्रक्चरल डिजाइन की खराबीथी।

2. इंजीनियरिंग और डिजाइन में लापरवाही

कई मामलों में भू-तकनीकी जांच और नदी के जल प्रवाह का सही आकलन किए बिना ही निर्माण शुरू कर दिया जाता है। मानसून के समय जब नदियों का जलस्तर बढ़ता है, तो पानी के भारी दबाव और स्काउरिंग (- पिलर के नीचे की मिट्टी का कटना) के कारण पुल ढह जाते हैं।

3. उप-ठेका की कुप्रथा

बड़ी कंपनियां सरकारी टेंडर हासिल तो कर लेती हैं, लेकिन बाद में वे उस काम को छोटे और स्थानीय ठेकेदारों को कम पैसों में सब-लेट (सब-कॉन्ट्रेक्ट) कर देती हैं। इन छोटे ठेकेदारों के पास न तो विशेषज्ञ इंजीनियर होते हैं और न ही आधुनिक तकनीक, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पूरी तरह खत्म हो जाती है।

सरकार और तंत्र की भूमिका : निगरानी में विफलता और नीतियां

सच्चाई यह है कि कोई भी ठेकेदार सरकारी शह या अधिकारियों की आंखें मूंदे बिना भ्रष्टाचार नहीं कर सकता। इस विफलता में सरकारी नीतियां और तंत्र बराबर के भागीदार हैं

1. 'Lv' बिडिंग सिस्टम (सबसे कम बोली की नीति)

मोती राम चौहान
करसोग मण्डी हिमाचल प्रदेश

भारत में सरकारी टेंडर देने के लिए 'Lv' प्रणाली का पालन किया जाता है। जो कंपनी सबसे कम पैसों में काम करने का दावा करती है, टेंडर उसे मिल जाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक कम बोली लगाने वाली कंपनियां मुनाफे के लिए गुणवत्ता से समझौता करने को मजबूर होती हैं। हालांकि, हाल ही में सरकार ने कंपनियों के पिछले ट्रैक रिकॉर्ड और तकनीकी विशेषज्ञता को प्राथमिकता देने के लिए नियमों में बदलाव शुरू किए हैं।

2. कागजी ऑडिट और भ्रष्टाचार

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और राज्य पीडब्ल्यूडी के नियमों के अनुसार, मानसून से पहले और बाद में पुलों का एलिमेंट-लेवल (बारीकी से) निरीक्षण होना चाहिए। लेकिन जमीनी स्तर पर यह ऑडिट केवल विजुअल (देखकर) या कागजों पर होता है। जब तक कोई हादसा नहीं होता, तब तक आधुनिक उपकरणों (जैसे ड्रोन या अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग) से स्ट्रक्चर की आंतरिक मजबूती की जांच नहीं की जाती।

3. ब्लैकलिस्टिंग और ढुलमुल कानूनी कार्रवाई

हादसे के बाद सरकार तुरंत जांच कमेटी बिठा देती है, कुछ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाता है और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने का दावा होता है। लेकिन कुछ समय बाद वही ठेकेदार किसी दूसरी शेल कंपनी या नए नाम से दोबारा टेंडर हथियाने में कामयाब हो जाते हैं। मजबूत कानूनी सजा न होने से डर खत्म हो चुका है।

पुल गिरने के मुख्य कारणों का तुलनात्मक विश्लेषण

आईआईटी और सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के आधार पर पुलों के विफल होने के कारणों को इस प्रकार समझा जा सकता है

कारण हिस्सेदारी / प्रभाव मुख्य बिंदु

- प्राकृतिक आपदाएं व बाढ़ 980.3% अचानक आने वाली बाढ़ बादल फटना और नदियों का मार्ग बदलना।
- सामग्री व डिजाइन की खराबी*910.1% ठेकेदारों द्वारा घटिया सीमेंट/स्टील का प्रयोग और गलत इंजीनियरिंग।
- ओवरलोडिंग 93.28% क्षमता से अधिक भारी ट्रकों और कंटेनरों का आवागमन।
- रखरखाव का अभाव अत्यधिक उच्च समय पर दरारों की मरम्मत न करना और बेयरिंग न बदलना।

> सच्चाई का एक पहलू- भारत में जहां कई आधुनिक तकनीक से बने पुल 5 साल भी नहीं टिक पा रहे हैं, वहीं देश में अंग्रेजों के जमाने के (100 से 150 साल पुराने) कई पुल आज भी भारी ट्रैफिक झेल रहे हैं। इसका सीधा कारण उस समय की सख्त निर्माण जवाबदेही और गुणवत्ता मानक थे।

निष्कर्ष : जिम्मेदारी किसकी?

इस बुनियादी संकट के लिए ठेकेदार और सरकार दोनों समान रूप से जिम्मेदार हैं ठेकेदार यदि अपराध का कर्ता है, तो ढीला सरकारी तंत्र और भ्रष्टाचार उस अपराध का संवाहक है।

जब तक केवल ठेकेदारों को दोष देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ती रहेगी, तब तक टैक्सपेयर्स का पैसा और मासूमों की जान यूं ही पानी में बहती रहेगी।

इस संकट से उबरने के लिए भारत को अमेरिका के या जर्मनी के डीन 1076 मानकों की तरह एक स्वतंत्र, पारदर्शी और एआई आधारित डिजिटल ट्विन सिमुलेशन इंफ्रास्ट्रक्चर ऑडिट प्रणाली अपनाने की सख्त जरूरत है। पुलों के बार-बार गिरने के पीछे छिपे तकनीकी और प्रशासनिक कारणों को गहराई से समझने के लिए भारत में पुल गिरने की कड़वी सच्चाई का वीडियो विश्लेषण देखना बेहद मददगार होगा। इस वीडियो में आंकड़ों के साथ सिस्टम की उन कमियों को उजागर किया गया है जो हादसों की वजह बनती हैं।

चुगलखोर बहुत घातक

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

समाज में सबसे सस्ता और सबसे घातक हथियार जुबान है। तलवार शरीर पर घाव देती है, गोली जान लेती है, पर चुगलखोर की बातें रिश्ते, प्रतिष्ठा और भरोसे को इस तरह चीरती हैं कि मरहम भी बेअसर हो जाता है। चुगलखोरी देखने में छोटी लगती है। दो लोगों के बीच कानाफूसी, किसी की गैरमौजूदगी में उसकी बुराई, आधे सच को पूरे झूठ में बदलकर परोसना। पर यही कानाफूसी घर तोड़ती है, दफ्तर बर्बाद करती है, दोस्ती को दुश्मनी में बदल देती है और पूरे समाज में ज़हर घोल देती है।

चुगलखोर कभी सामने से वार नहीं करता। वह पीठ पीछे काम करता है। उसकी ताकत इसी में है कि वह शक का बीज बो दे और फिर चुपचाप तमाशा देखे। वह किसी की कही बात को तोड़-मरोड़कर दूसरे तक पहुंचाता है। उसने तुम्हारे बारे में ऐसा कहा था - यह एक वाक्य काफी होता है सालों की दोस्ती को एक पल में खत्म करने के लिए। सच हो या झूठ, सुनने वाले के मन में संदेह घर कर जाता है। और एक बार संदेह बैठ जाए तो सफाई का कोई मतलब नहीं रहता। सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि चुगलखोरी भरोसे को मार देती है। एक परिवार में भाई-भाई अलग हो जाते हैं, क्योंकि किसी ने बीच में आकर दोनों के बारे में गलत बातें भर दीं। पति-पत्नी का रिश्ता दरक जाता है, क्योंकि किसी रिश्तेदार ने भलाई के नाम पर कान भर दिए। दफ्तर में सबसे काबिल कर्मचारी इसलिए निशाने पर आ जाता है, क्योंकि किसी ने उसकी पीठ पीछे बॉस के कान भर दिए। चुगलखोर को नतीजे से मतलब नहीं होता। उसे मज़ा आता है लोगों को लड़ते देखने में, रिश्तों को बिखरते देखने में।

इसका कारण बहुत हद तक इंसानी कमज़ोरी है। कुछ लोग दूसरों की तरक्की बर्दाश्त नहीं कर पाते। जब वे खुद कुछ नहीं कर पाते तो दूसरों को नीचा दिखाकर खुद को बड़ा महसूस करते हैं। कुछ को आदत होती है हर बात में नाक घुसाने की। खाली बैठे लोग, जिनकी ज़िंदगी में खुद कोई मकसद नहीं, वे दूसरों की ज़िंदगी में सेंध लगाकर अपना वक्त काटते हैं। और कुछ लोग जानबूझकर ऐसा करते हैं, क्योंकि उनका मकसद फूट डालकर राज करना होता है। चाहे वजह जो भी हो, नतीजा एक ही होता है-नफरत, अविश्वास और टूटन।

चुगलखोरी का सबसे खतरनाक रूप तब सामने आता है जब यह सार्वजनिक मंच पर आ जाती है। सोशल मीडिया ने इसे नई ताकत दे दी है। अब किसी के बारे में बिना सबूत के एक पोस्ट, एक कमेंट, एक वीडियो वायरल कर देना आसान हो गया है। हजारों लोग बिना सोचे-समझे उसे आगे बढ़ा देते हैं। जिसकी इज्जत पर हमला होता है, वह सफाई देता रह जाता है और हमलावर भीड़ में गुम हो जाता है। यहां चुगलखोर को न चेहरा दिखाना पड़ता है, न जवाबदेही देनी पड़ती है। पर जिसकी ज़िंदगी बर्बाद होती है, उसकी भरपाई कोई नहीं कर पाता। गांव और मोहल्ले में भी यही हाल है। पंचायतों में, चौपाल पर, चाय की दुकान पर लोग बैठकर दूसरों की बुराई करते हैं। किसी की निजी ज़िंदगी को मसाला बनाकर परोसा जाता है। और सबसे दुखद बात यह है कि सुनने वाले भी मज़ा लेकर सुनते हैं। कोई रोकता नहीं, कोई कहता नहीं कि भाई, जिसके बारे में बात हो रही है वह यहां नहीं है। उसकी गैरमौजूदगी में उसकी बुराई करना कायरता है। पर कायरता को भी यहां जानकारी और सचेत करना कहकर जायज़ ठहरा दिया जाता है।

चुगलखोर की पहचान करना मुश्किल नहीं है। वह हर जगह मौजूद रहता है। हर बात में उसकी दिलचस्पी होती है। वह खुद कुछ नहीं कहेगा, पर दूसरों से सब उगलवा लेगा। वह आपकी बात को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करेगा। वह मीठा बोलकर नज़दीक आएगा और मौका मिलते ही आपकी बात को दूसरों तक पहुंचा देगा। ऐसे लोगों से बचने का सबसे अच्छा तरीका है दूरी। उनसे अपनी निजी बातें साझा मत कीजिए। उन्हें महत्व मत दीजिए। और सबसे ज़रूरी-खुद चुगलखोर मत बनिए।

कई बार हम अनजाने में भी चुगलखोरी का हिस्सा बन जाते हैं। कोई आकर कहता है तुम्हें नहीं बताऊं, पर... और हम सुनने के लिए कान खड़े कर लेते हैं। सुनना ही आधा अपराध है। क्योंकि जो सुना जाता है, वह आगे बढ़ता है। अगर हम यह तय कर लें कि गैरमौजूद व्यक्ति की बुराई नहीं सुनेंगे, तो चुगलखोर का धंधा बंद हो जाए। सच यही है कि चुगलखोर को हवा हम देते हैं। अगर सुनने वाले न हों तो कहने वाले का हौसला टूट जाता है।

कानून और समाज दोनों की ज़िम्मेदारी है कि चुगलखोरी को रोकें। मानहानि के कानून हैं, पर वे तभी काम आते हैं जब मामला अदालत तक पहुंचे। पर हर छोटी-बड़ी चुगलखोरी के लिए अदालत नहीं जाया जा सकता। इसलिए सामाजिक स्तर पर इसका बहिष्कार होना चाहिए। जिस पंचायत में, जिस दफ्तर में, जिस दोस्तों के समूह में चुगलखोरी हो, वहां साफ कह देना चाहिए-यह बात बंद करो। अगर सामने वाला नहीं मानता तो उससे दूरी बना लो। रिश्ते निभाना ज़रूरी है, पर आत्मसम्मान उससे भी ज़रूरी है।

घर में माता-पिता की भूमिका सबसे बड़ी है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे देखते हैं। अगर घर में मां-बाप पड़ोसी, रिश्तेदार और दोस्तों की बुराई करते रहेंगे, तो बच्चे भी वही सीखेंगे। इसके उलट अगर घर में यह सिखाया जाए कि किसी की गैरमौजूदगी में उसकी बुराई करना गलत है, तो अगली पीढ़ी स्वस्थ बनेगी। स्कूलों में भी बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि शब्दों की ताकत क्या होती है। एक शब्द बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है।

चुगलखोरी से लड़ने का सबसे बड़ा हथियार है संवाद। शक हो तो सामने वाले से पूछो। तीसरे व्यक्ति की बात पर भरोसा करने से पहले खुद जांच करो। अक्सर होता यह है कि चुगलखोर एक बात को इस तरह पेश करता है कि दोनों पक्षों को लगे कि दूसरा ही गलत है। पर जब दोनों आमने-सामने बैठते हैं तो पता चलता है कि बात कुछ और ही थी। सीधी बातचीत से 90 फीसदी गलतफहमियां खत्म हो जाती हैं। पर अहंकार और संदेह हमें ऐसा करने नहीं देता।

हमें यह भी समझना होगा कि हर इंसान में कमियां होती हैं। कोई भी पूरी तरह निर्दोष नहीं होता। पर कमियों को सार्वजनिक करके मज़ाक उड़ाना नैतिकता नहीं है। अगर किसी में कमी है और आप उसकी भलाई चाहते हैं तो उसे अकेले में समझाओ। अगर नहीं समझा सकते तो चुप रहो। तीसरे के सामने उसकी बेइज्जती करके तुम खुद छोटे हो जाते हो।

समाज तभी स्वस्थ रहेगा जब लोग एक-दूसरे पर भरोसा करेंगे। और भरोसा तभी बनेगा जब जुबान पर लगाम होगी। चुगलखोर को रोकना सिर्फ दूसरों की रक्षा नहीं है, यह खुद की रक्षा भी है। क्योंकि आज जिसकी बुराई हो रही है, कल तुम्हारी भी हो सकती है। चुगलखोर के लिए कोई दोस्त, कोई रिश्ता पवित्र नहीं होता। उसका मकसद सिर्फ आग लगाना होता है।

इसलिए जब भी कोई तुम्हारे पास आकर किसी की बुराई करे, खुद से पूछो-क्या यह ज़रूरी है? क्या यह सच है? क्या यह कहने से किसी का भला होगा? अगर तीनों का जवाब ना है तो उस बात को वहीं खत्म कर दो। यही सबसे बड़ी सेवा है-खुद की, दूसरों की और समाज की।

चुगलखोर बहुत घातक होता है, पर वह सर्वशक्तिमान नहीं होता। वह तभी जीतता है जब हम उसे सुनते हैं, जब हम उसकी बात पर भरोसा करते हैं, जब हम खुद भी उसी राह पर चल पड़ते हैं। अगर हम सब मिलकर यह तय कर लें कि चुगलखोरी को न सुनेंगे, न करेंगे, न बढ़ाएंगे, तो यह ज़हर अपने आप मर जाएगा।

रिश्ते नाजुक होते हैं। भरोसा एक बार टूटे तो जुड़ता नहीं। इसलिए शब्दों को सोच-समझकर बोलो। पीठ पीछे वही कहो जो सामने कह सको। और अगर नहीं कह सकते तो बेहतर है चुप रहो। क्योंकि चुप्पी कई बार हज़ार शब्दों से ज़्यादा ताकतवर होती है।

समाज को जोड़ने के लिए सदियों लगती हैं, तोड़ने के लिए एक चुगलखोर की एक बात काफी होती है। फैसला तुम्हारा है-तुम जोड़ने वाले बनोगे या तोड़ने वाले का औजार।

एक जैसी आबो-हवा, फिर चुनावी नतीजों में ऐसा विरोधाभास क्यों?

हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा और पंजाब के स्थानीय नगर निकाय और नगर निगम चुनावों के चौंकाने वाले नतीजों ने आम जनता से लेकर राजनीतिक विश्लेषकों तक को हैरान कर दिया है। पड़ोसी राज्य होने के नाते, जिनकी दीवार से दीवार सटीक सटती है, जो एक ही नहर का पानी पीते हैं और जिनकी सामाजिक-भौगोलिक पृष्ठभूमि पूरी तरह एक समान है, वहां के राजनीतिक परिदृश्य में जमीन-आसमान का अंतर देखने को मिला है। इस अप्रत्याशित परिणाम को लेकर अब जनता के बीच एक गंभीर बहस छिड़ गई है कि क्या इस बड़े अंतर की मुख्य वजह चुनाव का माध्यम (ईवीएम बनाम बैलेट पेपर) है

यह प्रेस नोट मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजबीर सिंह भारतीय (समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त सुपरिंटेंडेंट, एडवोकेट जनरल कार्यालय, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट) द्वारा जनभावनाओं को आवाज देने और लोकतांत्रिक व्यवस्था की पारदर्शिता को बनाए रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

चुनावी नतीजों का तुलनात्मक विश्लेषण : कहाँ क्या हुआ

हरियाणा और पंजाब नगर निकाय चुनाव के अंतर को स्पष्ट, तरतीब वार और पढ़ने में आसान बनाने के लिए मुख्य बिंदुओं के अनुसार नीचे व्यवस्थित किया गया है

1. वोटिंग का माध्यम

- हरियाणा : यहाँ चुनाव पूरी तरह ईवीएम मशीन के माध्यम से कराए गए।
- पंजाब : यहाँ चुनाव पारंपरिक बैलेट पेपर (पर्ची द्वारा) से कराए गए।

2. चुनावी नतीजे

हरियाणा : यहाँ सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की एकतरफा और प्रचंड जीत हुई।

पंजाब : यहाँ सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने अपना दबदबा बनाया और 50त्न से अधिक सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज की।

3. विपक्ष की स्थिति

हरियाणा : मुख्य विपक्षी दल और अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतें इस चुनाव में बेहद कमजोर नजर आईं।

पंजाब : यहाँ विपक्ष बिखरा नहीं बल्कि मजबूत दिखना; कांग्रेस और अकाली दल ने कई वार्डों में सत्ताधारी दल को कड़ी टक्कर दी और अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

4. जमानत जब्त का रिकॉर्ड

हरियाणा : भाजपा का प्रदर्शन इतना मजबूत रहा कि उसके अधिकांश उम्मीदवार भारी मतों से जीतकर सुरक्षित रहे।

पंजाब : यहाँ नतीजों ने चौंकाया; खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताने वाली भाजपा के 1100 से अधिक उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

राजबीर सिंह भारतीय

जनता-जनार्दन पूछती है तीखे सवालः आखिर ऐसे कैसे हो गया

वरिष्ठ समाजसेवी राजबीर सिंह भारतीय ने प्रैस नोट के माध्यम से जनता के मन में सुलग रहे उन सवालों को प्रमुखता से उठाते हुए शब्दों में पिरोया है, जिन्हें पूछने से आज मुख्यधारा का मीडिया भी कतरा रहा है-

जब पंजाब और हरियाणा के लोगों के खेत के साथ खेत और घर के साथ घर लगते हैं, दोनों राज्यों का खान-पान, रहन-सहन, बोली-भाषा, सुख-दुख और राजनीतिक चेतना एक जैसी है, तो फिर चुनावी नतीजों में ऐसा अभूतपूर्व और अकल्पनीय विरोधाभास कैसे संभव है जहां ईवीएम से बटन दबाए गए (हरियाणा), वहां भाजपा क्लीन स्वीप कर गई और जहां पारंपरिक बैलेट पेपर पर मुहर लगाई गई या पर्चियां डाली गईं (पंजाब), वहां विपक्ष भी सीना ताने मजबूत खड़ा रहा और भाजपा की ऐतिहासिक दुर्गति हुई। क्या यह महज एक इत्तेफाक है या फिर मशीन और कागज़ के बीच का वो अंतर है, जिसे जनता अब अच्छी तरह समझने लगी है जनता पूछती है कि अगर जनता का मूड एक जैसा था, तो माध्यम बदलते ही जनादेश का चेहरा क्यों बदल गया इस विरोधाभास ने देश की जागरूक जनता के मन में यह आशंका पैदा कर दी है कि कहीं इस उलटफेर का असली कारण ईवीएम और बैलेट पेपर का फर्क तो नहीं है

जनता-जनार्दन के 3 सीधे सवाल चुनाव आयोग के नाम

मशीन पर भरोसा क्यों थोपा जा रहा है जब दुनिया के सबसे विकसित और तकनीकी रूप से समृद्ध देश (जैसे जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका का बड़ा हिस्सा) बैलेट पेपर पर वापस लौट चुके हैं, तो भारतीय मतदाताओं को एक ऐसी मशीन पर भरोसा करने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है, जिसकी कोडिंग और चिप बंद कमरों में बनती है

2. जमानत जब्त बनाम क्लीन स्वीप का रहस्य क्या है जो पार्टी सरहद के इस पार (पंजाब में) अपने उम्मीदवारों की जमानत तक नहीं बचा पाती, वो सरहद के ठीक उस पार (हरियाणा में) एकतरफा लहर कैसे पैदा कर देती है क्या मतदाता की सोच राज्य की सीमा बदलते ही 180 डिग्री घूम जाती है

3. पारदर्शिता से डर क्यों यदि ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित और निष्पक्ष है, तो चुनाव आयोग जनता के संदेह को दूर करने के लिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने के चैलेंज को स्वीकार क्यों नहीं करता

लोकतंत्र की साख बचाने के लिए आगामी चुनावों हेतु प्रमुख मांगें

निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव ही भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ और आत्मा हैं। यदि जनता के मन में वोटिंग मशीन की निष्पक्षता को लेकर एक प्रतिशत भी संशय है, तो चुनाव आयोग और प्रशासन की यह नैतिक, संवैधानिक और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी बनती है कि वे उस संशय को जड़ से मिटाएं। इसी संदर्भ में राजबीर सिंह भारतीय ने मनीमाजरा के नागरिकों और प्रबुद्ध समाज की तरफ से निम्नलिखित प्रस्ताव और मांगें रखी हैं

चंडीगढ़ निगम चुनाव (दिसंबर 2026)
चंडीगढ़ में आगामी दिसंबर 2026 में नगर निगम (कार्पोरेशन) के चुनाव होने तय हैं। इस चुनाव को पूरी तरह से पारंपरिक बैलेट पेपर के माध्यम से कराया जाना चाहिए। चंडीगढ़ की जागरूक जनता चाहती है कि यहाँ की नगर सरकार चुनने में किसी मशीन का नहीं, बल्कि सीधे मतपत्रों का इस्तेमाल हो, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

2. 2027 के विधानसभा चुनाव : आने वाले वर्ष 2027 में देश के जिन भी राज्यों में विधानसभा के आम चुनाव होने हैं, वहां प्रयोग के तौर पर या पूर्ण रूप से बैलेट पेपर का इस्तेमाल करके जनता के खोए हुए भरोसे को दोबारा जीता जाए।

3. चुनाव आयोग की साख की अग्निपरीक्षा : यदि चुनाव आयोग इन चुनावों को मतपत्रों (बैलेट पेपर) से करवाता है, तो उसकी निष्पक्षता पर उठ रहे सभी सवाल हमेशा के लिए शांत हो जाएंगे और कोई भी राजनीतिक दल या नागरिक चुनाव प्रणाली पर उंगली नहीं उठा पाएगा। यह कदम किसी पार्टी की हार या जीत का नहीं, बल्कि भारत के हर एक नागरिक के वोट के अधिकारकी जीत का होगा।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

संक्षिप्त न्यूज

शिमला शहर के 10 चिन्हित स्थानों पर सार्वजनिक बैठक, धरना प्रदर्शन करने पर रोक

शिमला, (बी. शर्मा)- जिला दंडाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने आज यहाँ पंजाब राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1953 की धारा 6 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किए हैं जिसके तहत सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए शिमला शहर के छोटा शिमला से रिज व कैनेडी हाउस तक, रेंडेजवॉयस रेस्तरां से रिवोली सिनेमा तक 150 मीटर दूरी तक, स्कैंडल पॉइंट से काली बाड़ी मंदिर तक, छोटा शिमला गुरुद्वारा से लिंक रोड छोटा शिमला-कसुम्पटी रोड, छोटा शिमला चौक से लोक भवन से ओक ओवर तक, छोटा शिमला गुरुद्वारा से सट्टी सीढ़ियाँ और पैदल रास्ता जो कसुम्पटी सड़क की ओर, कार्ट रोड से मजीठा हाउस लिंक रोड तक, ए.जी. कार्यालय से कार्ट रोड, सी.पी.डब्ल्यू.डी. कार्यालय से चौड़ा मैदान और उपायुक्त कार्यालय के ऊपर पुलिस गुमटी से लोअर बाजार की ओर 50 मीटर की दूरी तक सभी स्थलों पर सार्वजनिक बैठक आयोजित करने, जुलूस व रैलियां निकालने, प्रदर्शन करने, नारे लगाने, बैंड बजाने और अपराध की मंशा से हथियार के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं को ले जाने पर पूर्ण रूप से रोक लगाई गई है।

यह आदेश अपने कर्तव्यों का पालन करते समय पुलिस, अर्धसैनिक व सैन्य कर्मियों पर लागू नहीं होगा।

सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की तात्कालिकता और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह आदेश तत्काल प्रभाव से पारित किया गया है जो 31 जुलाई, 2026 तक प्रभावी रहेगा। आदेशानुसार उपरोक्त सभी प्रतिबंधित स्थलों पर कार्यक्रमों की अनुमति सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त करनी होगी। आदेशों का उल्लंघन नियमानुसार दंडनीय होगा।

विवेक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में इन्वेस्टीचर सेरेमनी

नई छात्र परिषद को सौंपी गई नेतृत्व की बागडौर

बीबीएन, 1 जून (तारा) - बद्दी स्थित विवेक इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक पब्लिक स्कूल ने आगामी शैक्षणिक सत्र पदारोहन समारोह के भव्य आयोजन के साथ अपने शैक्षणिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव अंकित किया। यह समारोह नव-निर्वाचित छात्र परिषद को औपचारिक रूप से नेतृत्व, उत्तरदायित्व और सेवा का दायित्व सौंपने का एक गंभीर एवं प्रेरणादायी अवसर रहा।

समारोह का शुभारम्भ एक ह स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें विद्यालय के मूल मूल्य नेतृत्व सत्य निष्ठा सेवा और उत्तरदायित्व पर विशेष बल दिया गया। नव-नियुक्त परिषद सदस्यों को स्वामी विवेकानंद की वेदांत परम्परा के अनुरूप सेवा भाव को जीवन में उतारने और आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित किया गया।

समारोह का मुख्य आकर्षण बैज प्रदान एवं सैश वितरण समारोह रहा। , जिसमें नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने समस्त विद्यालय परिवार के समक्ष गर्व के साथ अपने पद-चिह्न ग्रहण किए। इस अवसर पर परिषद सदस्यों ने विद्यालय के मूल्यों को बनाए रखने और अपने सहपाठियों की नि:स्वार्थ सेवा करने की शपथ ली। जमा दो के नान मेडिकल के देवज्योति जाना को हेड ब्वाय तथा इसी कक्षा की मेडिकल की छात्रा श्रिया को हेड गर्ल के पद पर सासीन किया गया। 11वीं कक्षा के प्रियांशु भारद्वाज को डिप्टी हैड ब्वाय तथा चारू ठाकुर को डिप्टी हैड गर्ल चुना गया। जमा दो के शिवांश ठाकुर व आब्रिती चौधरी को स्पोर्ट्स कैप्टन के पद पर आसीन किया गया। इसके अलावा शिवाजी सदन के कैप्टन पारस कुमार व वाईस कैप्टनस्निग्धा , टैगोर हाउस के कैप्शन खुशी सिंह व विश्व जीत दास, अशोक हाउस के कैप्टन हर्षित रासवंत तथा वाईस कैप्टन रबनूर कलश तथा रमन हाउस की कैप्टन वैभव शर्मा व वाईस कैप्टन हर्षित शर्मा को समारोह में हाउस ध्वज मार्च का आयोजन भी किया गया, जिसमें चारों हाउसों के प्रतिनिधि छात्रों ने अपने-अपने बैनर गर्व के साथ लहराते हुए एकता और विद्यालय-प्रेम का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस मौके पर शैक्षणिक निदेशक तुषार शर्मा ने नव निवेशित परिषद को बधाई दी और उनकी क्षमताओ में विश्वास जताया।

शिमला में कमर्शियल गैस सिलेंडर 50 महंगा, होटल-ढाबों पर बढ़ा संकट

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और गैस सप्लाई की किल्लत ने पर्यटन कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को कमर्शियल सिलेंडर के दाम में ?50 की वृद्धि दर्ज की गई, जिसके बाद शिमला में इसकी कीमत ?3165 से बढ़कर ?3215 हो गई है। बढ़ती लागत का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा कारोबार पर पड़ रहा है। कारोबारियों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ाना मजबूरी बन जाएगा।

प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों मनाली और डलहौजी में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की उपलब्धता भी गंभीर समस्या बनी हुई है। शिमला में भी व्यवसायियों को सिलेंडर हासिल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। गैस की कमी के चलते छोटे ढाबा संचालक कारोबार सीमित करने या दुकानें बंद करने पर मजबूर हैं, जबकि बड़े होटल और रेस्टोरेंट वैकल्पिक व्यवस्थाओं के सहारे काम चला रहे हैं।

एलपीजी संकट के कारण कई कारोबारियों ने एक बार फिर बिजली के चूल्हों और इंडक्शन उपकरणों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। शिमला की उर्जस भारत गैस एजेंसी के मुनीष मांडला ने बताया कि देशभर में कीमतों में वृद्धि के कारण शिमला में कमर्शियल सिलेंडर अब ?3215 का हो गया है। उन्होंने माना कि गैस सप्लाई अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी है, हालांकि एजेंसियां मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही हैं।

चुनाव के परिणाम जानते थे इसलिए चुनाव से भाग रहे थे मुख्यमंत्री : जयराम ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा भाजपा में भरोसा जताने और कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने के लिए प्रदेशवासियों का आभार

» प्रथम न्यूज । शिमला
01 जून (बी.शर्मा)

शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनाव के परिणाम जानते थे, इसी कारण वह चुनाव से भाग रहे थे। जितना हो सका, उन्होंने चुनाव टालने की उतनी कोशिश की, लेकिन उनकी एक भी कुटिल चाल कामयाब नहीं हुई और माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चुनाव करवाने पड़े। चुनाव के दौरान भी उन्होंने आदर्श चुनाव संहिता की धज्जियां उड़ाने की पूरी कोशिश की। मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास किए। लेकिन मुख्यमंत्री का झूठ पूरे देश और प्रदेश में बेनकाब हो चुका है, इसलिए उनके एक भी हथकंडे काम नहीं आए।

चुनाव के परिणाम पूरे प्रदेश के सामने हैं। कांग्रेस की ऐतिहासिक हार हुई है। मुख्यमंत्री से लेकर उपमुख्यमंत्री और मंत्री तक अपने हलके, अपनी पंचायत, अपने इलाके तक में जनता द्वारा नकार दिए गए।

जिला पंचायत के चुनाव में मुख्यमंत्री के अपने विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशियों ने कांग्रेस से ज्यादा वोट लिए। पूरे प्रदेश में इसी तरह की स्थिति रही। नगर निगम में भाजपा का वर्चस्व रहा। जिला पंचायत और ब्लॉक समिति के चुनाव में भी भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को प्रदेश के लोगों ने आशीर्वाद और वोट दिए। प्रदेश के लोगों ने स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को 60त्न से अधिक वोट देकर कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया।

जयराम ठाकुर ने सभी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड जनादेश देने, नरेंद्र मोदी की नीतियों और नेतृत्व पर भरोसा करने के लिए सभी प्रदेशवासियों का आभार जताया। प्रदेश के लोग कांग्रेस की झूठी गारंटियों और मुख्यमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं करते। कांग्रेस के झूठ की हांडी एक बार चढ़ चुकी है, यह बार-बार नहीं चढ़ने वाली है। विश्वास का संकट पैदा हो गया है। मुख्यमंत्री की बात पर प्रदेश के लोग भरोसा नहीं कर रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री से विनम्र आग्रह है कि वह झूठ का सहारा लेना छोड़ दें और ईमानदारी से प्रदेश हित में काम करें।

उन्होंने कहा कि चुनाव के परिणाम यह बता रहे हैं कि आने वाले समय में कांग्रेस ढूंढने से भी नहीं मिलेगी। सरकार साजिश करने के बजाय जनहित में निर्णय ले। केंद्र सरकार द्वारा भेजी जा रही आर्थिक सहायता को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाए। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को सही ढंग से क्रियान्वित करें, जिससे प्रदेश के लोगों का भला हो सके।

कार्यवाहकों के भरोसे प्रदेश चलाना ही मुख्यमंत्री का व्यवस्था परिवर्तन है

जयराम ठाकुर ने एक बार फिर से कार्यवाहक मुख्य सचिव की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर मुख्यमंत्री में इतनी असुरक्षा और अविश्वास की भावना क्यों घर कर गई है? प्रदेश में स्थायी मुख्य सचिव की नियुक्ति से वह क्यों कतरा रहे हैं? व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर व्यवस्था का मजाक क्यों बना रहे हैं? पहले भी मुख्यमंत्री ने हास्यास्पद तरीके से मुख्य सचिव को 8 महीने तक कार्यवाहक पद पर रखा और रिटायरमेंट के मात्र 4 दिन पहले स्थायी नियुक्ति दे दी। एक डीजी-स्तर के अधिकारी को भी मुख्यमंत्री ने रिटायरमेंट के कुछ दिन पहले कार्यवाहक डीजीपी को छुट्टी पर भेजकर कार्यवाहक डीजीपी बनाया।

ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदेश के आला अधिकारी कार्यवाहक दायित्व पर क्यों काम कर रहे हैं? स्थायी नियुक्ति देने में मुख्यमंत्री को क्या समस्या है? मुख्यमंत्री ने मित्र मंडली को स्थायी और प्रदेश के हित को अस्थायी व्यवस्था पर क्यों छोड़ दिया है?

पंचायती राज चुनाव-2026 शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न : उपायुक्त मुकेश रेपसवाल

» प्रथम न्यूज । चंबा
01 जून (एएम नाथ)

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) मुकेश रेपसवाल ने पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य निर्वाचन-2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन पर जिला चंबा के समस्त मतदाताओं, मीडिया प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा पुलिस एवं होमगार्ड जवानों का आभार व्यक्त किया है ।

उपायुक्त आज बचत भवन में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 26, 28 और 30 मई को शांतिपूर्ण तथा सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए।

31 मई को मतगणना के उपरांत सभी परिणाम घोषित कर दिए गए। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जिला में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य रही तथा कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई।

उपायुक्त ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में लगभग 3800 कर्मचारियों तथा 700 पुलिस एवं सुरक्षा कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि जिला चंबा में तीनों चरणों के दौरान कुल 81.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। इनमें

पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 77.03 तथा महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 84.39 रहा। सर्वाधिक मतदान विकासखंड तीसा में लगभग 85 प्रतिशत तथा सबसे कम मतदान विकासखंड भरमौर में लगभग 74 प्रतिशत दर्ज किया गया है । उपायुक्त ने बताया कि कुल 3,30,882 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें 1,60,714 पुरुष तथा 1,70,108 महिला मतदाता शामिल रहे। उन्होंने बताया कि 400 वार्ड सदस्य, 7 उपप्रधान, 4 पंचायत प्रधान तथा 1 पंचायत समिति सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। मुकेश रेपसवाल ने विकासखंड सलूणी की ग्राम पंचायत करवाल को निर्विरोध पंचायत चुने जाने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायत को प्रोत्साहन राशि के रूप में 25 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। उपायुक्त ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में कुल 7,807 उम्मीदवारों ने भाग लिया। चुनाव परिणामों के उपरांत 18 जिला परिषद सदस्य, 135 पंचायत समिति सदस्य, 319 पंचायत प्रधान, 319 उपप्रधान तथा 1,793 वार्ड सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

उपायुक्त ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे ग्रामीण विकास, जनकल्याण तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु समर्पित भावना से कार्य करते हुए पंचायतों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शिमला में ग़ज़ल संग्रह 'घर बनाऊँ कि फिर किताब लिखूं' का लोकार्पण, साहित्यकारों का हुआ संगम

» प्रथम न्यूज । शिमला
01 जून (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ हिमाचल प्रदेश इकाई द्वारा दिनांक 31 मई को हिमाचल प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा शिमला केड्डु गियेटी सम्मेलन कक्ष में ग़ज़लकार सुमित राज के ग़जल संग्रह घर बनाऊँ कि फिर किताब लिखूं का लोकार्पण समारोह व एक मुशायरा तथा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब,हिमाचल के विभिन्न नगरों, हरियाणा,चंडीगढ़ के विभिन्न साहित्यकारों, ग़ज़लकारों, कवियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष देश के प्रतिष्ठित व ख्यातिलब्ध साहित्यकार - आदरणीय सुरेश सेठ थे। मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश सरकार के शिक्षा सचिव आदरणीय राकेश कंवर थे। विशिष्ट अतिथियों में अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक सिंह के महासचिव प्रो.सुखदेव सिंह सिरसा, पंजाब प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष, सुरजीत सिंह जज। मुख्य वक्ता श्रीयुत्त श्रीनिवास जोशी, प्रखर कवि व आलोचक आत्म रंजन, समीक्षक व साहित्यकार श्री के आर भारती, मनमोहन सिंह, कवि रौशन जसवाल डाक्टर नरेद्र शर्मा, ऊना के ख्यातिलब्ध कवि कुलदीप शर्मा थे। हरियाणा से आये देश के जाने माने ग़ज़लकार, समकालीन ऊर्दु साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर हरियाणा साहित्य व संस्कृति आकादमी के ऊर्दु विभाग में सचिव डॉ. जतिन्दर परवाज़ भी उपस्थित रहे। सुश्री विद्या निधि छाबड़ा भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। हिमाचल प्रदेश भाषा अकादमी के पूर्व सचिव डॉ. कर्म सिंह ने भी अपनी हाजिरी दर्ज करवाई। अतिथियों को अंग वस्त्र स्मृति चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया गया। हिमाचल प्रदेस प्रगतिशील लेखक संघ ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों का स्वागत किया। इसके बाद पुस्तक को आवरण से बाहर निकाल कर लोकार्पित किया गया। इसी सत्र में ग़ज़लकार सुमित राज की पुस्तक पर लगभग आठ साहित्यकारों ने सुमितराज की पुस्तक व ग़ज़लों की अपने अपने विचारों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किये जिनमें श्री एस एन जोशी, डॉ आत्म रंजन, जितेन्दर परवेज, मनमोहन सिंह, के आर भारती, सुरजीत सिंह सिरसा, सुरेश सेठ आदि साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किये व पुस्तक की भूरि- भूरि प्रशंसा की। ग़ज़लकार सुमित राज ने अपनी पुस्तक लेखन और रचनाधर्मिता पर एक विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। इस सत्र का संचालन कथाकार व कवि रोमिता शर्मा ने बहुत ही शालीनता से किया। भोजन के उपरांत दूसरा सत्र ग़ज़लों कविताओं का रहा।

इस सत्र में मंचासीन डाक्टर आत्मरंजन,जितेन्दर परवेज़, विद्या निधि छाबड़ा, के आर भारती, सुमित राज, कुलदीप शर्मा थे। सशक्त ग़ज़लों और कविताओं का पाठ किया गया। जिन ग़ज़लकारों और कवियों ने अपनी रचनाएं पढ़ीं उनमें सुश्री स्नेह नेगी, राधा सिंह, भारती कुठयाला, रोमिता शर्मा, रीतांजलि हस्तीर, रेनुका, जितेन्दर परवाज़, कुलदीप शर्मा, रौशन जसवाल, नरेश दियोग, पवन शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, डॉ. नरेन्द्र शर्मा, गुप्तेश्वर नाथ उप्ध्याय , डॉ आत्म रंजन, सतीश अंजुम, मनमोहन सिंह दानिश, विकास राणा, सुमित राज, रजनिशवर चौहान व अजय विचलित थे।

अजय विचलित ने इस सत्र का मंच संचालन भी किया। के आर भारती जी ने सत्र पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया।

धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम का अंत हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत "Canvas of The Hills" कला महोत्सव का आयोजन

शिमला, (बी. शर्मा)- अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत कला एवं संस्कृति को समर्पित विशेष आयोजन "Canvas of The Hills" का आयोजन ऐतिहासिक रिज मैदान, शिमला में किया गया। इस अनूठे कला महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित चित्रकारों एवं कलाकारों ने भाग लेकर शिमला की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अपने कैनवास पर सजीव रूप में उकेरा। इस अवसर पर उपायुक्त एवं अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव समिति के अध्यक्ष अनुपम कश्यप ने सभी प्रतिभागी कलाकारों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही कलाकारों ने अपनी रचनात्मक कृतियाँ उपायुक्त को भेंट स्वरूप प्रदान कीं। इन उत्कृष्ट चित्रों की भविष्य में विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिससे कला प्रेमियों को हिमाचल की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर को एक नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर प्राप्त होगा। उपायुक्त ने कहा कि इस विशेष पहल के तहत कलाकारों ने रिज मैदान एवं उसके आसपास के प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक परिवेश का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए लाइव पेंटिंग और स्केचिंग की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अगले चरण में कलाकार हिमालयी क्षेत्र की अद्भुत प्राकृतिक छटा को चित्रित करने के लिए स्पीति घाटी का भ्रमण भी करेंगे। उन्होंने कहा कि "Canvas of The Hills" कला महोत्सव का मुख्य उद्देश्य देशभर के कलाकारों को एक साझा मंच प्रदान करना, कला के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना तथा शिमला की अनुपम सुंदरता को रचनात्मक अभिव्यक्ति के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना है। यह आयोजन न केवल कलाकारों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हुआ, बल्कि स्थानीय लोगों एवं पर्यटकों के लिए भी कला और संस्कृति से जुड़ने का एक उत्कृष्ट अवसर बना।

विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने लिया भाग - इस कला महोत्सव में पुणे, जोधपुर, विशाखापट्टनम, असम तथा शिमला सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने भाग लिया। प्रतिभागी कलाकारों में शिरीष देशपांडे, मनोज सोमन, संदीप खेडकर, नितिन महामुनी, महेंद्र कोंडेकर, सुहासिनी एम. कोंडेकर, राधा सोमन, विनीता पुरोहित लोहरा, गुलजार हुसैन, साई मणिकिरण वेदुरुपर्थी, वामसी किरण पैला, देबप्रिया बेजबरुआह, नक्शदीप सिंह तथा राजेंद्र मेहता शामिल रहे।

मुख्यमंत्री जनमत खो चुके हैं, बौखलाहट में भाजपा नेतृत्व पर कर रहे हैं अनर्गल टिप्पणी : राकेश जमवाल

चार में से तीन नगर निगमों में भाजपा की प्रचंड जीत, कांग्रेस का जनता ने किया राजनीतिक बहिष्कार : राकेश जमवाल

» प्रथम न्यूज । शिमला
01 जून (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जमवाल ने कहा कि स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव परिणाम आने के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। चुनावी परिणामों ने कांग्रेस सरकार की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है, जिसके कारण मुख्यमंत्री बौखलाहट में भाजपा और उसके नेतृत्व पर निराधार टिप्पणियां कर रहे हैं।

राकेश जमवाल ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के महत्व को भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा गंभीरता से लिया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मतदान किया और लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य किया। लेकिन मुख्यमंत्री यह स्पष्ट करें कि उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में जाकर मतदान किया या नहीं। जनता जानना चाहती है कि मुख्यमंत्री स्वयं किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा बार-बार भाजपा नेतृत्व को लेकर की जा रही टिप्पणियां उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। प्रदेश की जनता जानती है कि भाजपा का नेतृत्व प्रदेशभर में स्वीकार्य है और जनता का विश्वास भाजपा के साथ लगातार बढ़ रहा है।

जमवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री यह कहकर जनता के जनादेश का अपमान कर रहे हैं कि भाजपा की जीत का श्रेय किसी को नहीं मिलना चाहिए। सच्चाई यह है कि भाजपा के संगठन, नेतृत्व, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की सामूहिक मेहनत तथा जनता के विश्वास के कारण भाजपा ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है।

उन्होंने कहा कि चार नगर निगमों में हुए चुनावों में तीन नगर निगमों - मंडी, धर्मशाला और सोलन - में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। मंडी नगर निगम में 14 में से 12 सीटों पर जीत दर्ज कर भाजपा ने कांग्रेस का लगभग सफाया कर दिया। धर्मशाला और सोलन में भी

जनता ने भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री का यह कहना कि भाजपा नहीं जीती, वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा है। राकेश जमवाल ने कहा कि जिला परिषद चुनावों में भी भाजपा ने कांग्रेस की तुलना में कई गुना अधिक सीटें जीती हैं। भाजपा ने विधिवत अपने प्रत्याशियों की घोषणा की थी और जनता ने उन प्रत्याशियों पर विश्वास जताया। मुख्यमंत्री चाहें तो पूरे प्रदेश के परिणामों का आंकलन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मंडी नगर निगम चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ने बड़े-बड़े वादे किए, करोड़ों की घोषणाएं कीं, लेकिन जनता ने उन घोषणाओं पर भरोसा नहीं किया। परिणाम यह रहा कि कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। यह स्पष्ट संकेत है कि अब प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री की घोषणाओं और दावों को गंभीरता से नहीं लेती।

जमवाल ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति आज पूरे देश के सामने है। सरकार बनने के कुछ समय बाद ही कांग्रेस के विधायक पार्टी छोड़कर चले गए, जिससे सरकार की आंतरिक स्थिति और नेतृत्व क्षमता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए। ऐसे में भाजपा पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस को अपने घर की चिंता करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों के परिणाम स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार से निराश हो चुकी है और भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़ी है। यह हिमाचल की सत्ता का सेमीफाइनल था, जिसे भारतीय जनता पार्टी ने निर्णायक रूप से जीत लिया है। अब 2027 के विधानसभा चुनावों में भी जनता कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

राकेश जमवाल ने इस ऐतिहासिक विजय के लिए प्रदेश की जनता, भाजपा के प्रदेश नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा जनता के विश्वास को और मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

RCB ने लगातार दूसरी IPL जीत के बाद परेड नहीं करने का फैसला

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
01 जून (ब्यूरो)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताबी जीत के बाद इस बार शहर में विक्ट्री परेड न करने का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने यह कदम भीड़ से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं और पिछले अनुभवों को देखते हुए उठाया है। जानकारी के अनुसार, RCB ने यह निर्णय किसी संभावित भीड़भाड़ और गुस्से की स्थिति से बचने के लिए लिया है। इससे पहले 4 जून 2025 को पहली खिताबी जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 लोगों की मौत हो गई थी, जिसने पूरे क्रिकेट और फैन कम्युनिटी को झकझोर दिया था।

इसी दर्दनाक घटना को ध्यान में रखते हुए इस बार फ्रेंचाइजी ने किसी भी तरह के बड़े सार्वजनिक जश्न या परेड से दूरी बनाने का फैसला किया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव न पड़े। इसके अलावा, टीम ने यह भी माना कि मौजूदा हालात में बड़ी भीड़ जुटाने वाला आयोजन जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जीत के बाद का जश्न सीमित दायरे में और नियंत्रित माहौल में रखने की योजना है। सूत्रों के मुताबिक, इस फैसले में प्रशासनिक और राजनीतिक परिस्थितियों का भी असर रहा है। कर्नाटक में नए मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह और राज्य में व्यस्त प्रशासनिक कार्यक्रमों को देखते हुए भी बड़े आयोजन से बचने की रणनीति अपनाई गई है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इस फैसले को फैंस मिश्रित प्रतिक्रिया के साथ देख रहे हैं। कुछ लोग इसे जिम्मेदारी भरा कदम बता रहे हैं, जबकि कुछ फैंस लगातार दूसरी जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद कर रहे थे। कुल मिलाकर, इस बार RCB ने जीत के जश्न से ज्यादा सुरक्षा और व्यवस्था को प्राथमिकता दी है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके और भविष्य में सुरक्षित फैन एंगेजमेंट सुनिश्चित हो सके।

RCB की लगातार दूसरी IPL जीत पर देशभर में जश्न कोहली के छक्के से ऐतिहासिक जीत

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
01 जून (ब्यूरो)

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ टीम ने एक बार फिर अपनी मजबूत रणनीति और बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में जीत का फैसला अंतिम ओवरों में हुआ। मैच के आखिरी पलों में विराट कोहली के शानदार छक्के ने RCB को जीत की ओर पहुंचाया, जिसके बाद पूरे स्टेडियम में उत्साह का माहौल बन गया। Also Read – 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का IPL 2026 में दबदबा, एक सीजन में जीते 5 बड़े अवॉर्ड RCB की इस ऐतिहासिक जीत के बाद न सिर्फ स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में भी फैंस ने जमकर जश्न मनाया।

कई शहरों में लोगों ने पटाखे फोड़े, ढोल-नगाड़ों पर नाचकर और सड़कों पर उतरकर अपनी खुशी जाहिर की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के होम डिस्ट्रिक्ट में तो जश्न का माहौल और भी ज्यादा देखने को मिला। फैंस ने देर रात तक जीत का जश्न मनाया और टीम के खिलाड़ियों के पोस्टर लेकर अपनी खुशी व्यक्त की।

हैरानी की बात यह रही कि अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम, जो गुजरात टाइटन्स का होम ग्राउंड माना जाता है, वहां भी RCB के फैंस की बड़ी मौजूदगी देखने को मिली। स्टेडियम में कई दर्शक RCB की जर्सी पहने नजर आए और जैसे ही जीत का पल आया, पूरा माहौल RCB के समर्थन में बदल गया। RCB की जीत के बाद सोशल मीडिया पर भी जश्न का माहौल देखने को मिला।

फैंस ने टीम की तस्वीरें, वीडियो और जीत के पल को बड़े पैमाने पर शेयर किया, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो गए। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार दूसरी बार खिताब जीतना किसी भी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होती है और RCB ने इस सीजन में संतुलित प्रदर्शन करते हुए यह सफलता हासिल की है। कुल मिलाकर, RCB की इस जीत ने न केवल टीम के फैंस को खुशी दी, बल्कि पूरे देश में क्रिकेट प्रेमियों के बीच उत्साह और जश्न का माहौल पैदा कर दिया।

RCB की जीत पर BCCI की बधाई, वैभव सूर्यवंशी की भी सराहना

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
01 जून (ब्यूरो)

अहमदाबाद में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 फाइनल में गुजरात टाइटन्स (GT) पर 5 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की ओर से टीम को बधाई दी गई है। BCCI सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने रविवार को इस जीत के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की सराहना करते हुए पूरे सीजन के प्रदर्शन को शानदार बताया। उन्होंने कहा कि यह सीजन बेहद रोमांचक रहा और फैंस को पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिला। साथ ही उन्होंने RCB

को लगातार दूसरी बार IPL ट्रॉफी जीतने पर बधाई दी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस सीजन में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और खिताब अपने नाम किया। टीम की निरंतरता और संतुलित प्रदर्शन को इस सफलता का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसी मौके पर BCCI सेक्रेटरी ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। बिहार के इस 15 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सीजन में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। वह इस समय राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं।

ढोल की थाप पर नाचे कोहली और करुणाल, चैंपियन बनने के बाद जमकर मना जश्न

» प्रथम न्यूज । अहमदाबाद
01 जून (ब्यूरो)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब पर कब्जा जमाया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में जमकर जश्न मना।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में क्रुणाल पांड्या और विराट कोहली ढोल की धुन पर जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। इस दौरान क्रुणाल के हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी भी मौजूद रही। एक अन्य वीडियो में कप्तान रजत पाटीदार, रसिल सलाम, जितेश शर्मा समेत आरसीबी के बाकी खिलाड़ी भी ढोल पर खूब नाचते हुए नजर आए।

आरसीबी के जश्न में बॉलीवुड अभिनेत्री और विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा भी शामिल हुईं। वीडियो में अनुष्का कोहली संग नाचती हुई दिखाई दीं।

वहीं, विराट रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक के साथ भी डांस करते हुए नजर आए। खिताबी मुकाबले में विराट कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर सिक्स लगाकर आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया।

फाइनल मैच में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बूते आरसीबी गुजरात टाइटंस को 20 ओवर में 155 रनों के स्कोर पर रोकने में सफल रही। जीटी की तरफ से वॉशिंगटन सुंदर ने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 37 गेंदों में 50 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि, सुंदर को छोड़कर गुजरात टाइटंस के बाकी बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आरसीबी की ओर से गेंदबाजी में रसिख सलाम ने 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट अपनी झोली में डाले। आरसीबी ने 156 रनों के लक्ष्य को आसानी से 18 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। आरसीबी की तरफ से विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों में 75 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान कोहली ने 9 चौके और 3 छक्के लगाए। कोहली ने वेंकटेश अय्यर के साथ मिलकर आरसीबी को दमदार शुरुआत दी और दोनों ने पहले विकेट के लिए महज 27 गेंदों में 62 रन जोड़े। अय्यर 16 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, टिम डेविड ने 17 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया।

चिराग योजना के अंतर्गत सरकार 134 - ए का लंबित भुगतान 1750 रु के अनुसार जल्द करे :- कुलभुषण शर्मा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
01 जून (मुकेश डोलिया)

नेशनल इंडिपेंडेंट स्कूल्स अलायंस (निसा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण शर्मा ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि नियम 134-ए, शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 12(1)(ग), चिराग योजना तथा अन्य सरकारी योजनाओं के अंतर्गत वर्ष 2015 से लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान तत्काल प्रभाव से किया जाए।

उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों ने सरकार की विभिन्न छात्र हितैषी योजनाओं के अंतर्गत लाखों विद्यार्थियों को नि:शुल्क प्रवेश, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। इसके बावजूद सरकार द्वारा वर्षों से विद्यालयों की प्रतिपूर्ति राशि जारी नहीं की जा रही है, जिससे हजारों विद्यालय गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वेतन, ईपीएफ, ईएसआई, भवन रखरखाव, परिवहन, बिजली-पानी तथा अन्य खर्च विद्यालय अपने सीमित संसाधनों से वहन कर रहे हैं।

कुलभूषण शर्मा ने मांग की कि सरकार 2014-15 से 134ए योजना के तहत लंबित भुगतान ब्याज सहित तथा आरटीई के अंतर्गत देय समस्त प्रतिपूर्ति राशि शीघ्र जारी करे तथा RTE अधिकार अधिनियम के तहत यानि ? 1750 प्रत्ति माह प्रत्ति छात्र के अनुसार राशि शीघ्र जारी करे इससे स्कूल संचालकों में सरकार के प्रति विश्वास का वातावरण बनेगा तथा ईडब्ल्यूएस वर्ग के बच्चों के प्रवेश में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित के साथ निजी विद्यालयों मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित करें

कुलभूषण शर्मा ने कहा कि इससे भी अधिक चिंताजनक विषय यह है कि प्रदेश में सरकारी और निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच भेदभाव का वातावरण बनता दिखाई दे रहा है। हाल ही में शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया, जो सराहनीय है। किंतु निजी विद्यालयों के उन हजारों मेधावी विद्यार्थियों की पूरी तरह अनदेखी की गई जिन्होंने प्रदेश और देश स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम देकर हरियाणा का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि यह भेदभाव संविधान की मूल भावना के भी विपरीत है, जिसमें सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार की बात कही गई है।

क्या निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे इस प्रदेश के नागरिक नहीं हैं? क्या उन्हें मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग से समान सम्मान, अवसर और प्रोत्साहन मिलने का अधिकार नहीं है? ऐसे मेधावी विद्यार्थियों की उपेक्षा न केवल उनके मनोबल को प्रभावित करती है बल्कि अभिभावकों के बीच भी गलत संदेश देती है।

शर्मा ने सरकार से आग्रह किया कि वह अपनी इस भूल को तुरंत सुधारे तथा सरकारी और निजी विद्यालयों के सभी विद्यार्थियों को समान दृष्टि से देखकर उन्हें प्रोत्साहित करे, ताकि विकसित भारत के निर्माण में सभी बच्चे समान रूप से योगदान दे सकें।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 जून 2026 तक लंबित प्रतिपूर्ति राशि जारी नहीं की गई, तो निजी विद्यालयों और उनके संगठनों को अपने वैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु न्यायालय की शरण लेने तथा अन्य कानूनी कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग की होगी।

चंडीगढ़ के स्ट्रीट वेंडरों ने प्रशासन को सौंपा मांग पत्र, सर्वे और वेंडिंग जोन संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
01 जून (पुनीत महाजन)

फुटपाथ, साइकिल एवं रेहड़ी-फड़ी वर्कर्स यूनियन (रजि. 214), चंडीगढ़ ने स्ट्रीट वेंडरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव को एक मांग पत्र सौंपा। यूनियन ने प्रशासन से आग्रह किया कि स्ट्रीट वेंडर्स (जीविका संरक्षण एवं स्ट्रीट वेंडिंग विनियमन) अधिनियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार वेंडरों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

यूनियन के प्रधान राम मिलन गौड़ ने बताया कि शहर में स्ट्रीट वेंडरों का सर्वे हुए लगभग 10 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, जबकि अधिनियम के अनुसार प्रत्येक पांच वर्ष बाद नया सर्वे कराया जाना आवश्यक है। इसलिए प्रशासन से जल्द से जल्द नया सर्वे कराने की मांग की गई है।

मांग पत्र में कहा गया है कि जिन स्ट्रीट वेंडरों के लाइसेंस बन चुके हैं, उन्हें उनकी

सहमति से उचित वेंडिंग जोन आवंटित किए जाएं। इसके अलावा शहर के ऐसे वेंडिंग जोन जो वर्तमान में प्रभावी नहीं हैं, उन्हें समाप्त कर वेंडरों की सहमति से नए वेंडिंग जोन विकसित किए जाएं। यूनियन ने वेंडिंग जोनों में बिजली, पानी, शौचालय और छाया जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई है, ताकि स्ट्रीट वेंडर सम्मानजनक तरीके से अपना रोजगार चला सकें। मांग पत्र में उन वेंडरों के लिए भी राहत की मांग की गई है जो जीआईएस/जीआरडीआरसी सर्वे से वंचित रह गए थे, लेकिन उनके पास यूनियन द्वारा जारी पहचान पत्र एवं चालान मौजूद हैं। ऐसे वेंडरों का पुन: सर्वे कर उन्हें लाइसेंस जारी करने की मांग की गई है। यूनियन ने वेंडिंग जोनों में किसान मंडियों के संचालन पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे रेहड़ी-फड़ी वालों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष बढ़ाई जाने वाली फीस को समाप्त कर केवल पांच वर्ष बाद कार्ड नवीनीकरण के समय ही शुल्क वृद्धि लागू करने की मांग की गई है।

एक अन्य महत्वपूर्ण मांग के तहत यूनियन ने सभी पंजीकृत वेंडरों की रेहड़ियों को आधिकारिक पहचान चिह्न लगाने की मांग की, ताकि प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान पंजीकृत वेंडरों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि स्ट्रीट वेंडरों के अधिकारों और आजीविका की सुरक्षा के लिए प्रशासन को शीघ्र हस्तक्षेप करना चाहिए तथा उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। इस अवसर पर यूनियन के प्रधान राम मिलन गौड़, टी.वी.सी. सदस्य मुकेश गिरी, सेक्टर-41 राधे मार्केट के प्रधान नवनीत चावला तथा महासचिव मधुर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

13 लाख रिश्वत कांडः विजिलेंस डीजीपी के रीडर ओपी राणा ने किया सरेंडर

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
01 जून (एएम नाथ)

पंजाब विजिलेंस विभाग के डीजीपी के रीडर रहे इंस्पेक्टर ओपी राणा ने 13 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के मामले में सीबीआई की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने उसे पेश किए जाने के बाद सात दिनों की रिमांड पर भेज दिया है। विभाग की ओर से उसे पहले ही निलंबित किया जा चुका है।

सीबीआई ने 11 मई को इस मामले में भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया था। जांच के दौरान तीन बिचौलियों मलोट निवासी विकास गोयल, राघव गोयल और ड्राइवर अंकित वाधवा को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि उस समय ओपी राणा एजेंसी को चकमा देकर फरार हो गया था। आरोप है कि यह गिरोह मलोट में

तैनात स्टेट टैक्स अधिकारी अमित कुमार को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर उनसे रिश्वत वसूलने की कोशिश कर रहा था। परेशान होकर अधिकारी ने इसकी शिकायत सीबीआई को दी, जिसके बाद एजेंसी ने सेक्टर-35 स्थित जेडब्ल्यू मैरियट होटल के पास जाल बिछाया, लेकिन राणा वहां नहीं पहुंचा और फरार हो गया। बाद में राणा ने अग्रिम जमानत के लिए सीबीआई कोर्ट में अर्जी दी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद उसने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का रुख किया, लेकिन सरेंडर की बात कहते हुए याचिका वापस ले ली।

जांच में सहयोग नहीं कर रहा आरोपी

सीबीआई के अनुसार अदालत में पूछताछ के दौरान राणा ने जांच में सहयोग नहीं किया। एजेंसी के पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नरेंद्र सिंह ने कोर्ट को बताया कि आरोपी अपने मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा है और टालमटोल कर रहा है। इसी आधार पर कस्टोडियल पूछताछ की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

एक नज़र

अवैध शराब तस्करी का भंडाफोड़, 185 पेटी देसी शराब जब्त, तस्कर फरार

मध्य प्रदेश (ब्यूरो): पन्ना जिले में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 185 पेटी देसी शराब जब्त की है। यह कार्रवाई शनिवार रात की गई, जिसमें तस्कर मौके से फरार हो गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक बिना नंबर की पिकअप वाहन से अवैध शराब की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी की। Nivedita Nayadu के निर्देश पर पवई थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। टीम ने संदिग्ध पिकअप वाहन को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने पुलिस को देखकर वाहन की दिशा बदल दी और भागने लगा। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद आरोपी पिकअप को नारायणपुर गांव के पास छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें 185 पेटी देसी शराब बरामद हुई, जिसकी मात्रा लगभग 1665 लीटर बताई जा रही है और कीमत करीब 8.5 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने वाहन और शराब को जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

Mumbai हमले की साज़िश और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बीच लिंक की जांच, 8 गिरफ्तार

महाराष्ट्र (ब्यूरो): मुंबई में संभावित हमले की साज़िश को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की जांच तेज हो गई है। जांच एजेंसियों को शक है कि इस कथित साज़िश का संबंध हाल ही में गरीब नगर इलाके में की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से हो सकता है, जहां रेलवे की जमीन पर बने कई अवैध ढांचों को हटाया गया था। इन अवैध संरचनाओं में एक पूजा स्थल भी शामिल बताया जा रहा है, जिसे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान गिराया गया था। इसी घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने संभावित प्रतिशोध या साजिश के एंगल से जांच शुरू की है।

मुंबई को लेकर इस नए सुरक्षा इनपुट के बाद जांच एजेंसियां हर संभावित पहलू की जांच कर रही हैं कि क्या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और कथित हमले की योजना के बीच कोई सीधा या अप्रत्यक्ष संबंध है। सूत्रों के अनुसार, यह शक तब और मजबूत हुआ जब शनिवार को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों को इस मामले में एक अहम सफलता माना जा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से तीन लोग मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं। इनके संपर्कों और गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वे किसी संगठित साजिश का हिस्सा थे।

स्पेशल सेल द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद कई राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं और आपसी समन्वय के साथ जांच आगे बढ़ाई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे और भी लोगों की पहचान होने की संभावना जताई जा रही है। जांच एजेंसियां इस बात का भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद किसी समूह में नाराजगी या प्रतिशोध की भावना उत्पन्न हुई थी, जिसका इस्तेमाल किसी साजिश के लिए किया गया हो। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को बेहद संवेदनशील मानते हुए सभी कोणों से जांच कर रही हैं और किसी भी तरह की चूक से बचने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। कुल मिलाकर, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की गिरफ्तारी के बाद मुंबई में संभावित हमले की साज़िश को लेकर जांच ने रफ्तार पकड़ ली है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से इसके संभावित संबंधों की भी गंभीरता से जांच की जा रही है।

महंगाई का झटका! LPG सिलिंडर आज से हुआ महंगा, 42 रुपए की हुई बढ़ोतरी; जानें क्या होंगे नए दाम

नई दिल्ली (ब्यूरो): तेल विपणन कंपनियों ने 1 जून से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं, जिससे होटल, रेस्तरां, ढाबा और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की लागत बढ़ने की संभावना है। हालांकि, घरेलू उपयोग वाले 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। नई कीमतों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमत में 42 रुपये की वृद्धि की गई है। इसके बाद इसकी नई कीमत 3,113.50 रुपये हो गई है।

वहीं, कोलकाता में इस सिलिंडर की कीमत 53.50 रुपये बढ़ाकर 3,255.50 रुपये कर दी गई है। अन्य महानगरों में भी कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका असर सीधे तौर पर उन व्यवसायों पर पड़ेगा जो बड़ी मात्रा में एलपीजी का उपयोग करते हैं। कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब कई व्यवसाय पहले से ही बढ़ती परिचालन लागत का सामना कर रहे हैं। गैस की कीमत बढ़ने से रेस्तरां, कैटरिंग सेवाओं और खाद्य कारोबार से जुड़े उद्यमियों की लागत बढ़ सकती है, जिसका प्रभाव आगे चलकर ग्राहकों पर भी पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में इसी तरह उतार-चढ़ाव जारी रहा तो खाद्य पदार्थों और सेवाओं की कीमतों पर भी इसका असर दिखाई दे सकता है। दूसरी ओर, घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों को यथावत रखना आम परिवारों के लिए राहत की खबर है। हाल के महीनों में रसोई गैस की कीमतों को लेकर लगातार चर्चा होती रही है, ऐसे में घरेलू सिलिंडर के दाम स्थिर रहने से करोड़ों उपभोक्ताओं के मासिक बजट पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

फिर बढ़ा तनाव: अमेरिका ने ईरान पर फिर किया हमला जवाब में IRGC ने अमेरिकी बेस को बनाया निशाना

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन
01 जून (एजेंसी)

एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ समझौते की संभावना जताते रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिका ने दावा किया है कि उसने सप्ताहांत में ईरान के ड्रोन और रडार नियंत्रण ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

अमेरिका ने रविवार को कहा कि उसने आत्मरक्षा के तहत ईरान के गोरुक और केशम द्वीप स्थित रडार तथा ड्रोन नियंत्रण केंद्रों को निशाना बनाया। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई तेहरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि ईरान ने एक अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया था, जो अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहा था।

CENTCOM के मुताबिक, इसके जवाब में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो एकतरफा हमलावर ड्रोनों को नष्ट कर दिया। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि इस अभियान में किसी भी अमेरिकी सैनिक को नुकसान नहीं पहुंचा। दूसरी ओर, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने सोमवार को कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर सिरिक द्वीप स्थित एक दूरसंचार टावर पर अमेरिकी हमले के लिए किया गया था।

हालांकि, आईआरजीसी ने संबंधित एयरबेस की सटीक लोकेशन का खुलासा नहीं किया।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भी दोनों देशों के बीच जवाबी सैन्य कार्रवाई देखने को मिली थी। उस दौरान अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट संचालित एक ईरानी ड्रोन अभियान को निशाना बनाया था।

इसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए एक अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हमला करने का दावा किया था।

क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव ने पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों पक्षों के बीच टकराव इसी तरह जारी रहा, तो इसका असर क्षेत्रीय स्थिरता और कूटनीतिक प्रयासों पर पड़ सकता है।

भारी बारिश से चारधाम यात्रा प्रभावित, केदारनाथ यात्रा पर अस्थायी रोक; बद्रीनाथ मार्ग पर लंबा जाम

» प्रथम न्यूज । देहरादून
01 जून (ब्यूरो)

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाओं ने चारधाम यात्रा की रफ्तार थाम दी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने केदारनाथ यात्रा को फिलहाल अस्थायी रूप से रोक दिया है, जबकि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को घंटों तक जाम का सामना करना पड़ा।

रुद्रप्रयाग प्रशासन के अनुसार मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि खराब मौसम और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सुरक्षित स्थानों पर रुकने और मौसम सामान्य होने तक यात्रा न करने की अपील की है।

प्रशासन की ओर से जारी एडवाइजरी में बताया गया है कि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालु हेल्पलाइन नंबर 8958757335, 8218326386 या डायल-112 पर संपर्क कर सकते हैं। उधर, चमोली जिले में जोशीमठ के निकट बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-7) पर भारी वाहनों और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण लंबा जाम लग गया। प्रशासन ने यातायात सुचारू रखने के लिए 30-30 मिनट के अंतराल पर एकतरफा ट्रैफिक व्यवस्था लागू की है। चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि प्रतिदिन करीब 30 से 35 हजार श्रद्धालु बद्रीनाथ धाम तथा 5 से 10 हजार श्रद्धालु हेमकुंड साहिब पहुंच रहे हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या से सड़क नेटवर्क पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि जोशीमठ-मारवाड़ी-विष्णुप्रयाग मार्ग का लगभग 10 किलोमीटर हिस्सा भू-धंसाव और सड़क क्षति से प्रभावित है, जिससे यातायात संचालन चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नरसिंह मंदिर के पास विशेष गेट सिस्टम लागू किया गया है, जिसके तहत वाहनों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी राज्य के कई जिलों में भारी वर्षा की संभावना जताई है। ऐसे में प्रशासन ने चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं से मौसम संबंधी अपडेट और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट को पांच नए जज मिल राष्ट्रपति ने नियुक्ति पर लगाई मुहर

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
01 जून (ब्यूरो)

सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने हाल ही पांच नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को भेजी थी।

इनमें चार अलग-अलग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं, जबकि एक वरिष्ठ अधिवक्ता का नाम भी सूची में शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दी। अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद न्यायमूर्ति शील नागू (पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति चंद्रशेखर (बॉम्बे हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा (मध्य प्रदेश हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति अरुण पल्ली (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट) तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है।

मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। वी. सुब्रमणि मोहना उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने वकालत से सीधे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने तक का सफर तय किया है। वह ऐसे परिवार में जन्मीं, जिसका कानून के पेशे से कोई संबंध नहीं था।

वर्ष 1983 में जब भारत में पहली बार पांच वर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम शुरू किया गया, तब उन्होंने कोयंबटूर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के पहले बैच में प्रवेश लिया था।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे संबंधित विधेयक पेश करेगी। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वर्ष 1956 के संबंधित कानून में संशोधन किया जाएगा।

संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद के पास है। कानून लागू होने के बाद रिक्त पदों को भरने के लिए कॉलेजियम नए नामों की सिफारिश कर सकेगा।

भारत की राजनीति में घुसने की साजिश रच रहा पाकिस्तान, सुरक्षा एजेंसियों का बड़ा खुलासा

» प्रथम न्यूज । श्रीनगर
01 जून (ब्यूरो)

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लगातार सख्त होती कार्रवाई से बौखलाई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (Inter-Services Intelligence) अब एक नई रणनीति के तहत भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में घुसपैठ की कोशिश कर रही है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, आईएसआई ने अपने समर्थक नेटवर्क और ओवर ग्राउंड वर्कर्स (OGWs) को मुख्यधारा की राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होकर काम जारी रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचा जा सके और आतंकी तंत्र को नया आवरण प्रदान किया जा सके।

सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में हुई कई गिरफ्तारियों और पूछताछ के दौरान ऐसे संकेत मिले हैं कि कुछ संदिग्ध तत्व राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टियों से जुड़े होने का दावा कर रहे थे। जांच एजेंसियां इस पहलू की गंभीरता से पड़ताल कर रही हैं।

आतंकवाद को 'स्थानीय आंदोलन' दिखाने की कोशिश

सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि आईएसआई का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में जारी आतंकवादी गतिविधियों को सीमा पार से संचालित प्रॉक्सी वॉर के बजाय स्थानीय असंतोष का रूप देना है। इसके लिए ऐसे संगठनों को फिर से सक्रिय करने की कोशिश की जा रही है।

जो 1990 और 2000 के दशक में घाटी में आतंक का प्रमुख चेहरा रहे थे। एजेंसियों के अनुसार, इन प्रयासों का मकसद आतंक के वित्तपोषण, भर्ती और नेटवर्किंग को राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों की आड़ में छिपाना भी हो सकता है।

राजनीतिक पहचान का दुरुपयोग करने का आरोप

अधिकारियों के अनुसार, कई मामलों में संदिग्ध तत्वों ने सुरक्षा जांच या तलाशी अभियान के दौरान खुद को किसी राजनीतिक दल से जुड़ा बताकर जांच से बचने की कोशिश की। हालांकि एजेंसियों का कहना है कि किसी भी राजनीतिक दल की सदस्यता कानून से ऊपर नहीं है और यदि किसी व्यक्ति की आतंक या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है।

पुराने आतंकी संगठनों को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश

खुफिया रिपोर्टों में संकेत मिले हैं कि आईएसआई ने कुछ निष्क्रिय और कमजोर पड़ चुके आतंकी संगठनों को फिर से सक्रिय करने का प्रयास तेज कर दिया है। इनमें अल-उमर मुजाहिदीन, अल-बदर और तहरीक-उल-मुजाहिदीन जैसे संगठन शामिल बताए जा रहे हैं, जिन्होंने अतीत में जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर हिंसा को अंजाम दिया था। सुरक्षा एजेंसियां इन संगठनों से जुड़े पुराने नेटवर्क, वित्तीय गतिविधियों और सोशल मीडिया संपर्कों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ जारी अभियानों और स्थानीय स्तर पर घटते समर्थन के कारण आईएसआई के नेटवर्क पर दबाव बढ़ा है।

ऐसे में एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तान समर्थित तंत्र अब नए तरीकों से अपनी मौजूदगी बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, राजनीतिक आवरण में छिपे नेटवर्क या आतंकी फंडिंग के प्रयासों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर पहलू की गहन जांच की जा रही है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भयानक हादसा कंटेनर से टकराई कार, तीन की मौत गाड़ी काटकर निकाले शव

» प्रथम न्यूज । आगरा
01 जून (ब्यूरो)

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। बिहार से राजस्थान जा रही एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा टकराई।

टक्कर इतनी भयावह थी कि कार का अगला हिस्सा कंटेनर के भीतर तक घुस गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

झपकी बनी काल, पलभर में उजड़ गई जिंदगी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार रात करीब 1:45 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36+950 पर हुआ।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि लंबी यात्रा के दौरान चालक को झपकी आ गई, जिसके चलते कार अनियंत्रित होकर कंटेनर से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास मौजूद लोग दहल उठे। कार की कंडक्टर साइड पूरी तरह चकनाचूर हो गई और वाहन कंटेनर में फंस गया।

तीन लोगों की दर्दनाक मौत

कार चला रहे मोहम्मद सोएव अपने साथियों के साथ राजस्थान के चुरू जिले की ओर जा रहे थे। वाहन में कुल आठ लोग सवार थे।

हादसे में शंकर कुमार और सुनील कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल प्रीति ने भी दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृतक शंकर कुमार और सुनील कुमार आपस में रिश्तेदार थे और परिवार के अन्य सदस्य भी कार में मौजूद थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवारों में कोहराम मच गया।

रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटीं कई एजेंसियां

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस चौकी लुहारी, फतेहाबाद थाना पुलिस, पीआरवी टीम, यूपीडा, एंबुलेंस सेवाएं और सुरक्षा दल मौके पर पहुंच गए। हाइड्रा मशीन की मदद से बुरी तरह फंसी कार को काटकर घायलों और मृतकों को बाहर निकाला गया।

सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्राओं के दौरान थकान और नींद के खतरे को उजागर कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि रात में लगातार ड्राइविंग और पर्याप्त आराम न लेना कई बार जानलेवा साबित हो सकता है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए इस हादसे ने सड़क सुरक्षा को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है।

कंटेनर चालक फरार, तलाश जारी

हादसे के बाद कंटेनर चालक वाहन को सड़क किनारे छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कंटेनर और क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फरार चालक की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही है, हालांकि शुरुआती जांच में चालक को आई झपकी को दुर्घटना की प्रमुख वजह माना जा रहा है।

पांच घायलों का इलाज जारी

हादसे में घायल पांच लोगों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और मृतका प्रीति के आभूषण व अन्य सामान को सुरक्षित कब्जे में ले लिया है।